नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, शुक्रवार, 07 मार्च 2025, वर्ष- 08, अंक- 19, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpreess@gmail.com

पेज : 08

सिकंदर का पहला गाना जोहरा जबीन जारी सलमान खान और रश्मिका ...

तमिलनाडु में आबकारी मंत्री और उनके समर्थकों के घर पर ईडी का छापा

एजेंसी, करूर। तमिलनाडु में धन शोधन मामले में ईडी ने गुरुवार को 10 से ज्यादा स्थानों पर छापे मारे। इस कार्रवाई के तहत राज्य के आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके समर्थकों के घरों पर भी छापेमारी की गई। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने सीआरपीएफ के साथ मिलकर छापेमारी की। इनमें प्रमुख रूप से करूर जिले के रायनूर स्थित कोंगू मेस के मालिक मणि का घर शामिल है। इसके अलावा, इरोड रोड पर सरकारी ठेकेदार एम शंकर आनंद और शक्ति मेस के मालिक कार्थी के आवासों पर भी छापा मारा। ये सभी लोग मंत्री सेंथिल के समर्थक माने जाते हैं। ईडी की यह छापेमारी धन शोधन के मामले में चल रही जांच का हिस्सा है, जिसके तहत कई अहम स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक ईडी अधिकारी इस कार्रवाई में कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज और साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्री सेंथिल पर कई गंभीर आरोप हैं, जिनमें वित्तीय धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और धन शोधन जैसे मामले शामिल हैं। ईडी आरोपों की गहन जांच कर रही है, और इससे संबंधित दस्तावेजों को जब्त किया जा सकता है, जो कानूनी कार्रवाई में अहम भूमिका निभा सकते हैं। बालाजी को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पिछले साल 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी का गुजरात दौरा... गर्माएगी सियासत

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां एक बार फिर गुजरात दौरे पर जा रहे हैं, तो वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी और राहुल का यह दो दिवसीय दौरा गुजरात की राजनीति को गरमाने के लिए काफी होगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 8 मार्च को राज्य के सूरत और नवसारी जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने गुजरात पहुंच रहे हैं। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात करेंगे और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। एक तरह से पार्टी के लिए चुनावी प्लेटफार्म तैयार करने पीएम मोदी एक बार फिर गुजरात दौरे पर पहुंच रहे हैं। यहीं

प्रधानमंत्री मोदी 7 मार्च को सूरत के लिंबायत इलाके के नीलगिरी ग्राउंड में एक भव्य जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के तहत

वृद्ध लाभार्थियों को विशेष किट वितरित करेंगे। इसके बाद वे सूरत के सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम कर अगले दिन, 8 मार्च को नवसारी जाएंगे। यहां पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में पीएम मोदी शामिल होंगे। नवसारी में भी वे एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। गौरतलब है कि इससे पहले, 1 मार्च को पीएम मोदी तीन दिवसीय निजी दौरे पर गुजरात पहुंचे थे, जहां उन्होंने सौराष्ट्र के विभिन्न जिलों का दौरा किया था। उन्होंने जामनगर, गिर और जूनागढ़ में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और सोमनाथ मंदिर के दर्शन भी किए थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 7 और 8 मार्च को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा आगामी 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारियों को मजबूती प्रदान करने के लिए हो रहा है। वे पार्टी संगठन को पुनर्गठित करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर देने वाले हैं। इसके अलावा, वे कांग्रेस के प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाएंगे। जानकारी अनुसार कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले राहुल गांधी का यह दौरा पार्टी के लिए अहम माना जा रहा है इससे रणनीति में बदलाव की संभावना व्यक्त की जा रही है। अब चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7-8 मार्च को गुजरात के सूरत और नवसारी जिलों के दौरे पर रहेंगे वहीं राहुल गांधी भी दो दिवसीय दौरे पर गुजरात में रहेंगे तो ऐसे में राज्य की राजनीति गर्माने की पूरी उम्मीद है। इन दौरों को देखते हुए पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ता अपना पूरा जोश दिखाते दिखें तो हैरानी की बात नहीं होगी। यही वजह है कि गुजरात में राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है। कांग्रेस और बीजेपी, दोनों ही आगामी चुनावों को लेकर अपनी रणनीति को धार देने में जुट गई हैं।

मोदी पहुंचे गंगोत्री और मुखबा में की मां गंगा की पूजा-अर्चना

एजेंसी, देहरादून

देवभूमि उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार सुबह गंगोत्री के मुखबा पहुंचे हैं। यहां पर उन्होंने मां गंगा की पूजा करते हुए देश की सुख-समृद्धि की कामना की। पीएम मोदी ने एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसके बाद उन्होंने प्रकृति की खूबसूरती को निहारा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां पारंपरिक लोक नृत्य का आनंद लिया और इस दौरान उन्होंने पारंपरिक वेशभूषा और टोपी पहनी हुई थी। यहां मौजूद लोगों का पीएम मोदी ने हाथ जोड़कर अभिनंदन स्वीकार किया। उन्होंने मां गंगा के शीतकालीन निवास मुखबा में बर्फ से ढके पहाड़ों की सुंदरता को दूरबीन के सहारे निहारा। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड दौरे से पहले सोशल मीडिया प्लेटफार्म में पोस्ट करते हुए कहा था, कि देवभूमि उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की अर्थव्यवस्था को और सशक्त बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसी के साथ उन्होंने अपने कार्यक्रम के संबंध में भी बताया था, जिसके अनुसार पीएम मोदी देहरादून से सेना के एमआई-17 हेलिकॉप्टर के जरिए मुखबा उत्तरकाशी पहुंचे, यहां पर उन्होंने माँ गंगा की पूजा-अर्चना की। इसके बाद पीएम मोदी हर्षिल में जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी अपने दौरे के लिए उत्तराखंड के देहरादून में स्थित जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। यहां बताते चलें कि पीएम मोदी का यह दौरा उत्तराखंड में समर टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में एक उत्तम पहल है। पीएम मोदी के दौरे को देखते हुए गंगा मंदिर एवं पौराणिक भवनों को भव्य तरीके से सजाया गया। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी और स्थानीय लोग पीएम मोदी के इस दौरे से काफी उत्साहित नजर आए हैं।

खालिस्तानी ने लंदन में पुलिस के सामने जयशंकर पर हमले की कोशिश की

एजेंसी, लंदन । लंदन में खालिस्तानी चरमपंथियों ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना उस समय की है, जब वह चैटम हाउस थिंक टैंक के एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कार से वापस लौट रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, एक वीडियो में नजर आ रहा है कि एक आदमी जयशंकर के वाहन के पास आता है और लंदन के पुलिस अधिकारियों के सामने तिरंगे को नुकसान पहुंचाता है। हालांकि, इसे लेकर भारत या ब्रिटेन सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि खालिस्तानी कई मौकों पर जयशंकर समेत कई भारतीय अधिकारियों को धमकियां जारी कर चुके हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को लंदन में खालिस्तानी चरमपंथियों ने जयशंकर पर हमला करने की कोशिश की। ब्रिटेन और आयरलैंड से जुड़ी अपनी छह दिवसीय यात्रा के दौरान विदेश मंत्री सिलसिलेवार ढंग से उच्चस्तरीय वार्ता, विदेश नीति संबंधी कार्य और भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह यात्रा दोनों देशों के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई रफ्तार देगी।उन्होंने जानकारी दी है कि बुधवार को ब्रिटेन में उनके समकक्ष डेविड लैमी के साथ द्विपक्षीय संबंधों समेत कई मुद्दों पर बातचीत हुई। लैमी ने जयशंकर की मेजबानी की। केंट के शेवेनिंग हाउस में दो दिन तक दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई।

पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर, नाक की नली से दी जा रही ऑक्सीजन

एजेंसी, वेटिकन सिटी

पिछले महीन से अस्वस्थ पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर बनी हुई है। पिछले तीन हफ्ते से 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस का इलाज रोम के जेमेली अस्पताल में चल रहा है। डबल निमोनिया (गंभीर श्वसन संक्रमण) से पीड़ित फ्रांसिस ने रात अच्छी नींद ली। होली सी प्रेस कार्यालय ने गुरुवार सुबह पत्रकारों को यह सूचना देते हुए कहा कि पोप अभी भी आराम कर रहे हैं। वेटिकिन न्यूज के अनुसार, बुधवार शाम होली सी प्रेस कार्यालय ने कहा कि पोप फ्रांसिस की हालत आज भी स्थिर रही। रात को वो नॉन-इनवेसिव मैकेनिकल मास्क पहनकर सोये। उन्हें दिन में नाक की नली से ऑक्सीजन दी गई है। उन्होंने दिन अपनी आराम कुर्सी

पर बिताया। अस्पताल के 10वीं मंजिल पर स्थित निजी अपार्टमेंट में पोप ने पवित्र राख के आशीर्वाद के अनुष्ठान में हिस्सा लिया। उन्होंने सुबह गाजा में होली फैमिली चर्च के पैरिश पादरी फादर गेब्रियल रोमनेली को भी बुलाया। दोपहर में आराम के बीच में कुछ काम किया। उल्लेखनीय है कि पोप को फेफड़ों की गंभीर बीमारी है। युवावस्था में उनके एक फेफड़े का कुछ हिस्सा निकाल दिया गया था।

महाकुंभ में बड़ी घटना करने की तैयारी में था बब्बर खालसा का संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह : डीजीपी

कौशाम्बी से हुई गिरफ्तारी, पुर्तगाल जाने की था तैयारी में

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने बताया कि महाकुंभ में बब्बर खालसा का संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह बड़ी घटना करने की तैयारी में था। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के दौरान लाजर ने बताया कि वह पाकिस्तान में बैठे तीन आईएसआई एजेंटों के सम्पर्क था। घटना करने के बाद संदिग्ध आतंकी लाजर की पुर्तगाल जाने की तैयारी थी। इसके कुछ साथी पुर्तगाल में रहते है। कौशाम्बी में गिरफ्तारी से पहले वह लखनऊ और कानपुर में छुपकर रहा था। पुलिस महानिदेशक ने गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टालरेंस पर कार्य हो रहा है। महाकुंभ के पहले देश विदेश में बैठे खास लोगों से गड़बड़ी की सूचना यूपी पुलिस को मिली थी। इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण सफलता उत्तर प्रदेश एफटीएफ को बीती रात में मिली है। यह कार्यवाही यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त आपरेशन में

की गयी। गाजियाबाद से फर्जी आधार कार्ड बनवाने वाले लाजर के बारें में पंजाब पुलिस की ओर से जानकारी मिली थी। प्रशांत कुमार ने बताया कि हीरोइन की तस्करी में आतंकी लाजर पंजाब की जेल में गया था। जेल में मारपीट में घायल होने के बाद आतंकी अस्पताल में भर्ती था। वहीं से यह 24 सितम्बर 2024 को फरार हो गया था। 23 अक्टूबर 2024 बब्बर खालसा के सम्पर्क में आने के बाद इसने एक हत्या की थी और इसके बाद से यह छुपकर रह रहा था। महाकुम्भ में दौरान यूपी पुलिस की चप्पे-चप्पे में पुलिसकर्मियों की तैनाती के कारण आतंकी लाजर बड़ी घटना करने की अपनी मंशा में सफल नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में कौशांबी जिले से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से संबंध रखने वाला आतंकी लाजर मसीह पंजाब के अमृतसर के रामदास इलाके के कुलियान गांव का निवासी है।

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक-2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर

एजेंसी, इस्लामाबाद

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक-2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) ने बुधवार को पिछले 17 वर्ष की घटनाओं के आधार पर रिपोर्ट जारी की है। इसमें 163 देशों को शामिल किया गया है। पाकिस्तान में यह लगातार पांचवां वर्ष है, जब आतंकवाद से संबंधित मौतों में वृद्धि दर्ज की गई है। पाकिस्तान के लिए पिछले दशक में साल-दर-साल यह सबसे बड़ी वृद्धि है। डान समाचार पत्र की खबर के अनुसार रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में पिछले वर्ष आतंकवादी हमलों में मरने वालों की संख्या 45 प्रतिशत बढ़कर 1,081 हो गई है।

कांग्रेस अपनी ही संपत्ति का करेगी आकलन, सांगला को सौंपी जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

पूरे में देश में अलग अलग जगहों पर पड़ी कांग्रेस की संपत्ति को व्यवस्थित करने के लिए कांग्रेस ने बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक नया विभाग गठित करने की घोषणा के साथ ही एआईसीसी के संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंदर सिंगला को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। इस विभाग को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के तहत स्थापित किया गया है और इसे तुरंत प्रभाव से लागू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य पार्टी की संपत्तियों का सही लेखा-जोखा तैयार करना, उनकी मौजूदा स्थिति की समीक्षा करना और उनके उचित रखरखाव को सुनिश्चित

करना है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब कांग्रेस कई राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी हुई है। बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में अगले कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हैं, जिसके लिए पार्टी अपनी रणनीति को मजबूत कर रही है। इस नए विभाग के जरिए पार्टी अपनी संपत्तियों का प्रभावी प्रबंधन कर सकेगी और चुनावी तैयारियों के लिए संसाधनों का सही इस्तेमाल करने में सक्षम होगी। इस विभाग की जिम्मेदारी पूर्व सांसद और पंजाब सरकार में मंत्री रह चुके विजय इंदर सिंगला को सौंपी गई है। सिंगला वर्तमान में एआईसीसी के संयुक्त कोषाध्यक्ष भी हैं और अब उन्हें कांग्रेस की संपत्तियों के प्रबंधन की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किए हैं, जिसमें सिंगला को इस नए विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। विजय इंदर सिंगला के नेतृत्व में यह विभाग देशभर में कांग्रेस की संपत्तियों की सूची तैयार करेगा, उनकी कानूनी स्थिति की जांच करेगा और उनका सही मूल्यांकन करेगा।

शमी ने नहीं रखा रोजा तो हो गया विवाद, मौलाना बोले- शरियत की नजर में गुनाह

बीजेपी ने किया शमी का समर्थन

एजेंसी, बरेली

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक नए विवाद में घिरते नजर आ रहे हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने उन पर रमजान के महीने में रोजा न रखने का आरोप लगाते हुए, इसे शरीयत की नजर में गुनाह करार दिया है। दरअसल, दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मैच के दौरान मोहम्मद शमी की एनर्जी ड्रिंक पीते हुए एक तस्वीर वायरल हुई थी। इस पर मौलाना रजवी ने नाराजगी जताई और कहा कि शमी ने रोजा नहीं रखकर इस्लामिक नियमों का उल्लंघन किया है। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा, इस्लाम में रोजा एक फर्ज है, और जो इसे जानबूझकर नहीं रखता, वह गुनहगार होता है। शमी को रोजा रखना चाहिए था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिससे वह शरीयत की नजर में गुनहगार बन गए हैं। मैं उन्हें नसीहत देता हूं कि वह इस्लामिक नियमों का पालन करें और अपनी धार्मिक जिम्मेदारियों को निभाएं। मौलाना रजवी के इस बयान के बाद बीजेपी खुलकर शमी के समर्थन में आ गई है। बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा, धर्म किसी की व्यक्तिगत आस्था का विषय है। कोई भी व्यक्ति यह तय नहीं कर सकता कि किसी को क्या करना चाहिए और क्या नहीं। शमी देश के लिए खेल रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों को यह बर्दाश्त नहीं हो रहा।

बार-बार के दुबई ट्रिप ने पकड़ा दिया एक्ट्रेस रान्या राव को

एजेंसी, बेंगलुरु। कहते हैं कि चोर कितना भी शातिर और चालाक क्यों न हो, लेकिन एक ऐसी गलती वह जरुर करता है, जिससे जेल जाना तय होता है। कुछ ऐसा ही मामला कन्नड़ और तमिल फिल्म की मशहूर एक्ट्रेस रान्या राव के साथ हुआ है। दरअसल डीआरआई ने उन्हें बेंगलुरु एयरपोर्ट से सोने की तस्करी करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रान्या का दुबई बार-बार जाना शक पैदा करने वाला था, खासतौर पर तब जबकि उनका वहां कोई न तो बिजनेस था और न ही उनके अपने कोई करीबी ही वहां रह रहे थे और न ही कोई फिल्म की ही शूटिंग चल रही थी। ऐसे में उनकी चोरी तो पकड़ी जाना ही थी और उनकी मदद करने वाले को भी कानूनी शिकंजे में ले लिया गया है। सिक्योरिटी चेक से बचाने वाले शख्स से आगे पूछताछ में कई राज उजागर होने की उम्मीद जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मशहूर एक्ट्रेस रान्या राव को डायरेक्टोरेट आफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने बेंगलुरु एयरपोर्ट से तब अरेस्ट किया, जबकि वो दुबई से लौटी थीं। उनके बार-बार दुबई जाने की डीआरआई को खुफिया जानकारी पहले ही मिल गई थी। अमीरात फ्लाइट के लैंड होने के बाद एक्ट्रेस रान्या तय प्लान के तहत एयरपोर्ट से बाहर निकलने को थीं।

बिहार में 40 किमी की रफ्तार से आएगा तूफान, उप्र सहित 14 राज्यों में बारिश

एजेंसी, नई दिल्ली

नॉर्थ-ईस्ट असम और उसके आस-पास एक चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके कारण मौसम का मिजाज बदल सकता है। इसके अलावा, एक नया पश्चिमी विक्षोभ 9 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में प्रभाव डालने की संभावना है। बिहार में बारिश के साथ आंधी, बिजली गरजने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 7 और 8 मार्च को गंगा से सटे पश्चिम बंगाल और सिक्किम में आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा,

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और उत्तर महाराष्ट्र में उत्तर-पश्चिम दिशा से तेज हवाएं चलीं। इसके कारण इन राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, जम्मू-कश्मीर, गिलगिट, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में हल्की बारिश और बर्फबारी हुई। असम में भी हल्की बारिश हुई। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश में दिन और रात के तापमान में 4-5 डिग्री की गिरावट आई, जबकि हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में 3-4 डिग्री की गिरावट आई।

आज कैसा रहेगा मौसम का मिजाज : अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, विदर्भ, राजस्थान, गुजरात और उत्तर महाराष्ट्र में उत्तर-पश्चिम दिशा से तेज हवाएं चलती रहेंगी और इसके बाद वे धीरे-धीरे कम हो जाएंगी। पूर्वी असम और अरुणाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। लक्षद्वीप और केरल में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। राजस्थान और गुजरात में अगले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में और गिरावट हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कलवार सेवक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अरविन्द वर्मा ने डॉ दिलीप जायसवाल को नए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने पर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

पटना। कलवार सेवक समाज के फाउंडर चेयरमैन डॉ अरविन्द वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद पर कलवार समाज के सिरमौर और सीमांचल के गांधी नाम से प्रसिद्धि प्राप्त बिहार विधान परिषद सदस्य व पूर्व राजस्व मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल को निर्वाचित होने पर खुशी का इज़हार किया। भाजपा के केंद्रीय व शीर्ष नेतृत्व द्वारा कलवार समाज को सम्मान देने पर कलवार सेवक समाज के चेयरमैन डॉ अरविन्द वर्मा ने केंद्रीय नेतृत्व को साधुवाद और नवनिर्वाचित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर उपस्थित मीडिया से डॉ अरविन्द वर्मा ने कहा डॉ दिलीप जायसवाल एक तपे तपाए नेता हैं, जिनका गहरा लगाव ग्रामीण स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ रहा है। डॉ दिलीप जायसवाल मृदुभाषी होने के साथ साथ गरीबों की सच्ची सेवा करने में ही अपने आपको समर्पित कर दिया है। अब, सीमांचल के गांधी कहे जाने वाले डॉ दिलीप जायसवाल पूरे बिहार की जनता के कल्याणार्थ कार्य करेंगे और अपनी पार्टी की नीतियों को धरातल पर उतारने में हर कार्यकर्ता का सहयोग लेंगे। आगे डॉ अरविन्द वर्मा ने कहा कलवार समाज को डॉ दिलीप जायसवाल जैसे कर्मठ और ईमानदार नेता पर गर्व है। नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल को बधाई देने वालों में प्रमुख थे अखिल भारतीय जायसवाल (सर्व) महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मदन लाल जायसवाल, अखिल भारतीय वियाहुत कलवार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार भगत, पटना उच्च न्यायालय की एडवोकेट सुप्रिया भगत, ई० प्रमोद जायसवाल, किरण देवी, योगेन्द्र जायसवाल, उमेश चौधरी, गौरव वर्मा, महिला पत्रकार इन्दु प्रभा, संजय कुमार, डॉ सुबोध प्रसाद, ई० भोला भगत, प्रदीप भगत, अनिल भगत, शंभु भगत तथा दिलीप भगत आदि।

शराबबंदी पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की जातीय राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण : जदयू

» हर विषय को जातीय राजनीति का रंग देना लालू परिवार की पुरानी फितरत

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता डॉ निहोरा प्रसाद यादव और अरविंद निषाद ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की बिहार में शराबबंदी पर जातीय राजनीति को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि दरअसल तेजस्वी यादव का राज्य में शराबबंदी पर टिप्पणी करने का कारण ये है कि आरजेडी ने शराब कंपनियों से इलेक्टोरल बॉन्ड के तौर पर करोड़ों का चंदा लिया है और पार्टी इन शराब कंपनियों की मदद से बिहार में शराबबंदी को खत्म करने की साजिश रच रही है लेकिन बिहार की आम जनता ऐसे सभी प्रयासों को कभी सफल नहीं होने देगी। तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष का यह बयान कि, उनकी सरकार आते ही वो राज्य में ताड़ी से पाबंदी हटाएंगे बिहार से शराबबंदी को खत्म किए जाने का पहला चरण होगा। तेजस्वी यादव का यह बयान कि उनकी सरकार आने पर पहले की स्थिति बहाल करेंगे, यह दशार्ता है कि वे बिहार को फिर से अराजकता, भ्रष्टाचार और कुशासन के दौर में ले जाना चाहते हैं। पहले की स्थिति का अर्थ वही जंगलराज है, जब अपराध अपने चरम पर था, निवेशक राज्य से भाग रहे थे, और आम जनता भय के माहौल में जीने को मजबूर थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार को उस अंधकारमय दौर से निकालकर विकास, कानून-व्यवस्था और प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव द्वारा शराबबंदी की आलोचना करना यह दशार्ता है कि वे समाज के हितों से ज्यादा अपने राजनीतिक फायदे की चिंता करते हैं। बिहार में शराबबंदी कोई साधारण फैसला नहीं, बल्कि महिलाओं, युवाओं और गरीब परिवारों के भविष्य को संवारने का एक सशक्त कदम है। इस नीति से घरेलू हिंसा में कमी आई, स्वास्थ्य में सुधार हुआ और सामाजिक ताने-बाने को मजबूती मिली है। अगर इसमें कुछ चुनौतियाँ हैं, तो सरकार उन्हें दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन शराबबंदी खत्म करने की बात करना समाज को फिर से अराजकता की ओर ले जाने जैसा होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह रचनात्मक सुझाव दे, न कि नकारात्मक राजनीति करे।

राष्ट्रवादी विचार मंच की बैठक आयोजित

पटना। राजधानी के अभियंता नगर में राष्ट्रवादी विचार मंच की बैठक हुई। अरविंद की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में संगठन के लोगों ने भाग लिया। राष्ट्रवादी विचार मंच के संरक्षक प्रभात मिश्रा ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य राष्ट्रवादी विचार मंच के लोगों को राजनीतिक में उचित प्रतिनिधित्व दिलाना हैं। संरक्षक प्रभात मिश्रा ने बताया कि इस बैठक में कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में संगठन को मजबूत करने तथा प्रत्येक पंचायत में संगठन को सक्रिय करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी विचार मंच के उपाध्यक्ष अजय ठाकुर जी ने कहा हमने 30 साल भाजपा को दिया हैं। भाजपा ने भूमिहार समाज को ठगा हैं। सीतामढ़ी में भाजपा ने भुमिहार समाज को कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया हैं। इस बार अगर भूमिहर समाज ने यह तय किया है कि जो समाज को उचित प्रतिनिधित्व देगा समाज उसका साथ देगा।

कालाजार की जांच एवं उपचार उपलब्ध कराने से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

पटना। वर्ष 2022 में प्राप्त कालाजार उन्मूलन को स्थायी रूप से उसी स्तर पर बनाए रखने एवं मरीजों को ससमय कालाजार/पीकेडीएल की जांच एवं एम्बिसोम से उपचार उपलब्ध कराने के लिए राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, पटना में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आज समापन किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में राज्य के कालाजार प्रभावित 33 जिलों में स्थापित 88 ट्रीटमेंट फैसिलिटी के दो दो चिकित्सा पदाधिकारी शामिल रहे। डॉ. अनिल कुमार, अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यशाला का लाभ उठाएं एवं अपनी शंकाओं का समाधान करें। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए आरएमआरआई के निदेशक डॉ. कृष्णा पांडेय ने कहा कि कालाजार/पीकेडीएल के उपचार के लिए संस्था द्वारा शोध किया जा रहा है। उन्होंने कालाजार/पीकेडीएल से संबंधित पूरे ट्रीटमेंट रेजिमेन के बारे में विस्तार से बताया और प्रतिभागियों के सवाल के जवाब दिए. विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्टेट कोऑर्डिनेटर, एनटीडी डॉ. राजेश पांडेय ने दी जाने वाली दवा के सेवन के बाद उत्पन्न किसी तरह के दुषप्रभाव की जानकारी दी एवं उक्त रोग के बारे में विस्तार से बताया। अनुराग पप्पू ने पीकेडीएल के उपचार विधि की पूरी जानकारी दी। वहीँ वेक्टर डिजीज नियंत्रण पदाधिकारी राकेश कुमार ने राज्य में कालाजार/पीकेडीएल की पूर्व एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। कार्यशाला में अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम डॉ. अनिल कुमार, आरएमआरआई के निदेशक डॉ. कृष्णा पांडेय, विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्टेट कोऑर्डिनेटर, एनटीडी डॉ. राजेश पांडेय, अनुराग पप्पू, रौशन कुमार टोपनो एवं राकेश कुमार तथा जसवीर आनंद, वेक्टर डिजीज नियंत्रण पदाधिकारी मौजूद रहे।

पीएम और सीएम बीज से बाजार तक किसानों को कर रहे सशक्त : विजय कुमार सिन्हा

» राज्य के विकास का पहला इंजन बनेंगे हमारे किसान : विजय कुमार सिन्हा
» किसानों के उत्थान के लिए मिशन मोड में काम करेगा कृषि विभाग : विजय कुमार सिन्हा
» लीकेज और बिचौलियों से मुक्त कृषि विकास के लिए प्रतिबद्ध है डबल इंजन सरकार : विजय कुमार सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

समग्र कृषि क्रांति विकसित भारत के लिए अनिवार्य : विजय कुमार सिन्हा

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने दिनांक 06 मार्च 2025 को देश के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की । इस मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि इस मुलाकात के दौरान माननीय गृह मंत्री जी का स्नेहिल मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ । साथ ही देश और राज्य के समग्र विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई । श्री सिन्हा ने आगे बताया कि माननीय गृह मंत्री के पास सहकारिता मंत्रालय की जिम्मेदारी भी है । उन्होंने श्वेत क्रांति(दुग्ध उत्पादन) और रजत क्रांति (अंडा उत्पादन) के तर्ज पर सहकारिता पर आधारित समग्र कृषि क्रांति को विकसित भारत के लिए अनिवार्य बताया । कृषि आज हमारे लिए महज जीवन निर्वाह का साधन नहीं रह गया है बल्कि यह उद्यमिता का उभरता हुआ क्षेत्र हो चला है । देश आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में बेहद स्पष्ट संकल्प के साथ विकसित भारत की ओर कदम बढ़ा चुका है । ऐसे में हम किसान को विकास का पहला इंजन मानते हुए समाज में अन्नदाता के रूप में प्रतिष्ठित करना चाहते हैं । इस प्रयास से कृषि सेक्टर के विकास और ग्रामीण समृद्धि के रूप में दो बड़े लक्ष्य एक साथ साधे जा सकेंगे ।श्री सिन्हा ने आगे बताया कि 10-11 साल पहले जो कृषि उत्पादन 265 मिलियन टन के करीब था । वह माननीय मोदी जी की NDA सरकार के नेतृत्व में अब बढ़कर 330 मिलियन टन से ज्यादा हो गया है। इसी तरह, बागवानी से जुड़ा उत्पादन बढ़कर 350 मिलियन टन से ज्यादा हो गया है। ये केंद्र सरकार के बीज से बाजार तक की अप्रोच का परिणाम है। इन वर्षों में किसान केंद्रित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है, ताकि देशभर के किसानों तक इस योजना का लाभ पहुंच सके। किसी बिचौलिए के घुसने या लीकेज की गुंजाइश ही ना रहे । पीएम किसान योजना के तहत अब तक लगभग पौने 4 लाख करोड़ रुपए किसानों को मिल चुके हैं। जिससे करीब-करीब 11 करोड़ किसानों को सीधा लाभ मिला है । इन प्रयासों से देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही है। श्री सिन्हा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से और माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हम खेत से लेकर बाजार तक राज्य के किसानों को सशक्त करेंगे । फसल, बागवानी, नकदी फसलों के साथ औषधीय पौधों और फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रगत विशेषताओं के आधार पर हम काम कर रहे हैं । देश के कुल निर्यात में बिहार का योगदान 5% तक ले जाने का जो लक्ष्य राज्य सरकार ने लिया है, उसमें सूबे का किसान प्रधान चालक बनकर उभरेगा । लिहाजा कृषि और किसानों को तरजीह के आधार पर स्वच्छ, स्वस्थ और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए विभाग मिशन मोड में काम करेगा ।

"लोगों में निवेश का विजन तीन स्तंभों पर आधारित है – शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य सेवा" : नरेन्द्र मोदी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। 5 मार्च को "इनवेस्टिंग इन पीपल" थीम पर बजट के बाद एक वेबिनार आयोजित किया गया, इसमें उच्च शिक्षा विभाग के साथ-साथ कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय प्रमुख रूप से शामिल हुआ। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित "नेशनल सेन्टर्स ऑफ़ एक्सीलेन्स फॉर स्किलिंग" पर एक विशेष ब्रेकआउट सेशन का आयोजन किया। इस सेशन में राज्य सरकारों, उद्योग जगत, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और शिक्षाविदों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो बजट घोषणा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए एक साथ आए। वेबिनार के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लोगों में निवेश का विजन तीन स्तंभों - शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य सेवा पर आधारित है। 2014 से अब तक हमने 3 करोड़ से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया है, 1000 आईटीआई को अपग्रेड करने की योजना की घोषणा की है, और हम वैश्विक भागीदारी के साथ पांच सेन्टर ऑफ़ एक्सीलेन्स स्थापित कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे युवा वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। माननीय प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पीएम इंटर्नशिप योजना उद्योगों के साथ साझेदारी करके युवाओं को नए अवसर और व्यावहारिक कौशल प्रदान कर रही है। अपने समापन भाषण में, भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री, श्री जयन्त चौधरी ने भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार डिजिटल दक्षताओं से लैस करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय एआई रेडीनेस (एसओएआर) प्रोग्राम के लिए स्किलिंग डेवलप कर रहा है, जिसका उद्देश्य कक्षा 6 से ही वोकेशनल ट्रेनिंग के साथ एआई साक्षरता को एकीकृत करना है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि एसओएआर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कौशल-आधारित शिक्षा के विज़न के अनुरूप है और इसका उद्देश्य कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग और इन्डस्ट्री-अलाइन्ड एआई स्किल्ड को बढ़ावा देना है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने चर्चाओं का संचालन करते हुए उद्योग साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय स्टेकहोल्डर्स के साथ जुड़कर ग्लोबल एक्सपर्टाइज़ का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राज्य सरकारों और शिक्षाविदों के साथ मजबूत साझेदारी बनाने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला और कहा कि बजट घोषणा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सभी स्टेकहोल्डर्स को एक साथ आना चाहिए।

तेजस्वी यादव का सपना है मुख्यमंत्री बनना : ललन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने गुरुवार को राजद को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कहा कि तेजस्वी यादव का सपना मुख्यमंत्री बनना है। सपना देखना बुरी बात नहीं, लेकिन बिहार की जनता ने उनके माता-पिता के 15 साल के शासन को देखा है, जहां शासन व्यवस्था नाम की चीज नहीं थी। पटना के बापू सभागार में आज डेयरी इंडस्ट्रीज कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन केंद्रीय पशुपालन मंत्री ललन सिंह ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों को आर्थिक रुप से सशक्त करने के लिए डेयरी उद्योग को समर्पण की भावना से काम करना होगा, जिससे कि छोटे किसानों को इसका फायदा मिल सके। इस कॉन्फ्रेंस में डेयरी उद्योग से जुड़े हितधारको, पशु चिकित्सकों और डेयरी उद्योग से जुड़े व्यवसायियों ने हिस्सा लिया।उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद ने 15 साल राज किया और चारा घोटाले में जेल जाने की नौबत आने पर अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया और अब अपने पुत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी पार्टी परिवार तक ही सीमित रही—पति, पत्नी और पुत्र। उनके शासन में सड़कों, बिजली और कानून व्यवस्था का अभाव था, जबकि नीतीश कुमार ने सड़कों का जाल बिछाया, हर गांव तक बिजली पहुंचाई और सुशासन कायम किया। दरअसल, पिछले दिनों तेजस्वी ने बिहार विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान लालू-राबड़ी राज में बिहार में विकास के कई मानक स्थापित होने का दावा किया था। वहीं नीतीश कुमार के शासन काल में विकास नहीं होने की बातें कही थी. उन्होंने यहां तक कहा कि नीतीश कुमार 20 साल पुरानी बातों को दोहराते हैं. जबकि उन्हें अपने कामकाज के बारे में बताना चाहिए। तेजस्वी के इन्हीं आरोपों पर ललन सिंह ने कहा कि राजद का मतलब ही पार्टी परिवार तक ही सीमित रही—पति, पत्नी और पुत्र. उन्होंने तेजस्वी यादव के सीएम बनने की बातों को सिर्फ सपना करार दिया और सपना देखना बुरी बात नहीं है।

महिला के दोनों तलवों में 9 कीलें ठोंक कर हत्या करने वाले को मिले सख्त सजा : भाकपा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालन्दा से एक युवती की पांव में नौ कीलें ठोक कर हत्या करने की सूचना मिली है। यह घटना दुखद और काफी चिंतित करने वाली है। सरकार हत्यारों की पहचान कराकर जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने की गारंटी करे। भाकपा राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बड़े बड़े दावे करने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में महिला उत्पीड़न की घटना में काफी बढ़ोतरी हुई है। प्रति दिन हत्या, अपहरण, बलात्कार, लूट की घटनाएं घट रही है। विधि व्यवस्था चौपट हो गई। पुलिस अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय उसे बचाने में लगी हुई है।जिस दिन मुख्यमंत्री बिहार विधान मंडल में विधि व्यवस्था और महिलाओं को लेकर बड़े बड़े दावे कर रहे थे उसी दिन रात में नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र में एक युवती की हत्या कर लाश एनएच किनारे बहादुरपुर गांव के पास खेत के गड्ढे में फेंक दी गई। लाश को देखकर साफ था कि बर्बरता की गई थी। पूरा शरीर जख्मों से भरा हुआ था। दोनों तलवों में 9 कीलें ठोंकी गई थीं।भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि नीतीश सरकार में महिला सुरक्षित नहीं हैं। मुख्यमंत्री के सभी दावें झूठे साबित हो रहे हैं। दरभंगा, लखीसराय, नालंदा आदि जगहों से घटनाओं की जो सूचना मिली है, वह रोंगटे खड़े करने वाले हैं। सरकार महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी करे।

31 मार्च तक मिलेगी दीघा से दीदारगंज तक बने 21 किलोमीटर लंबे कनेक्टिविटी की सौगात, शहर में बढ़ते ट्रैफिक दवाब में आयेगी कमी: मंत्री नितिन नवीन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के पथ निर्माण मंत्री माननीय श्री नितिन नवीन जी द्वारा गुरुवार को दीघा से दीदारगंज तक बने 21 किलोमीटर लंबे जेपी गंगा पथ के अंतिम सेगमेंट का निरीक्षण किया। उन्होंने कंगन घाट से दीदारगंज तक पांच किलोमीटर में बने पुल का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ बिहार राज्य पथ निर्माण निगम के प्रबंध निदेशक श्री शीर्षत कपिल अशोक जी, अभियंता प्रमुख श्री सुनील कुमार जी, मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रवीण चंद्र गुप्ता जी, महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं, मीडिया को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री जी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट 31 मार्च तक पूरा हो जायेगा। इस निर्माण की खासियत ये है कि यह रूट एक तरफ जहां जेपी सेतु से जुड़ रहा है तो वही दूसरी ओर 6 लेन ब्रिज से। इस रूट के चालू होने से उत्तर बिहार से पटना आने वाले लोगों को काफी सुविधा होगी। वर्तमान में दीदारगंज से शहर प्रवेश करने में लोगों को दो घंटे का समय लगता है, इस कनेक्टिविटी से लोगों का समय बचेगा। उन्होंने बताया कि इस पैच को गाय घाट, अशोक राजपथ, पीएमसीएच, गांधी मैदान, अटल पथ समेत कई जगहों से जोड़ा गया है, जिससे कि पटना में बढ़ते ट्रैफिक दवाब में कमी आयेगी। जल्द ही पटना घाट से भी इसकी कनेक्टिविटी की जायेगी। वहीं, उन्होंने कहा कि बिहार की डबल इंजन सरकार हर विकास कार्य को दोगुनी तेजी से करती है। इसलिए हमलोग इस रूट पर आवागमन सुचारु करने के बाद इसके विस्तारीकरण में लग जायेंगे, जिसके तहत दीघा से कोईलवर और दीदारगंज से मोकामा तक के बीच नई कनेक्विटी का कार्य तेजी से होगा। जल्द ही हमलोग इस पूरे पैच को मुख्यमंत्री समग्र उद्यान योजना से जोड़ने वाले है, फिलहाल 7km तक के पैच को जोड़ा जायेगा। जिसके बाद गंगा किनारे बना ये रूट सुविधा के साथ-साथ सुंदर भी दिखेगा। उल्लेखनीय हो कि 24 जून, 2022 को दीघा से पीएमसीएच तक पहले चरण में आवागमन शुरू किया गया था। वहीं दूसरा चरण 14 अगस्त, 2023 को पीएमसीएच से गायघाट तक शुरू किया गया था। इसके बाद 10 जुलाई, 2024 को तीसरे चरण में कंगन घाट तक आवागमन शुरू किया था। वहीं, अब यानि की चौथा चरण कंगन घाट से दीदारगंज तक शुरू किया जायेगा।

8 मार्च को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी करेंगे निःशुल्क ग्रामीण कैंसर जांच कार्यक्रम का लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

» उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय व सड़क निर्माण मंत्री श्री नितिन नवीन रहेंगे मौजूद
» लोकार्पण डॉ. प्रभात रंजन डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर, कंकड़बाग, पटना में होगा

पटना। यदि फर्स्ट स्टेज में ही शरीर में कैंसर की पहचान हो जाए तो इसका इलाज संभव है और मरीज पूरी तरह से ठीक हो सकता है। लेकिन अक्सर कैंसर का पता चौथे स्टेज में चलता है,जिससे इलाज में खर्च बढ़ जाती है और मरीज की आयु बहुत कम हो जाती है। चौथे चरण पर पहुंचने से पहले ही कैंसर की पहचान करके इसे पराजित किया जा सकता है।

बिहार में इसी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए-भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार श्री जीतन राम मांझी, उप मुख्यमंत्री, बिहार श्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री, बिहार श्री मंगल पांडेय, पथ निर्माण मंत्री, बिहार श्री नितिन नवीन द्वारा 8 मार्च 2025 को डॉ. प्रभात रंजन डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर, पटना (कंकड़बाग स्थित केंद्र) पर क्रमशः निःशुल्क ग्रामीण कैंसर जांच कार्यक्रम, ग्रामीण कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम के लिए समर्पित नये ऐप, बिहार का पहला स्लीप इंस्टीट्यूट का लोकार्पण व ऑनको-मीट 2025 उद्घाटन करेंगे। भारत का पहला निः शुल्क ग्रामीण स्क्रीनिंग कार्यक्रम (नया मॉडल) का बिहार के 45,000 गांवों के लिए लोकार्पण मुख्य अतिथि भारत सरकार के सूक्ष्म,

लघु व मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी करेंगे। प्रधानमंत्री डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत ग्रामीण कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम के लिए समर्पित नये ऐप का लोकार्पण बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी करेंगे। बिहार का पहला स्लीप इंस्टीट्यूट का लोकार्पण बिहार के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय करेंगे और ऑनको-मीट 2025 का उद्घाटन पथ निर्माण मंत्री श्री नितिन नवीन करेंगे।इस अभियान को तीन वर्षों में बिहार के सभी 38 जिलों के लगभग लगभग 45,000 गांवों के 8387 पंचायतों में चलाया जाएगा, जिससे हजारों लोगों को लाभांवित होंगे। इस अभियान के प्रथम चरण में पटना जिले के 150 पंचायतों के 1395 गांवों को शामिल किया गया है। इस अभियान के तहत मुखिया और गांव के पंचायत समिति के सदस्य के माध्यम से गांवों के लोगों से संपर्क किया जाता है और उनको ऐप के बारे में बताया जाता है, और उसे हर घर के मोबाइल पर डाउनलोड किया जाता है। डॉ. प्रभात रंजन के द्वारा इसके ट्रायल में अब तक इस माध्यम से 12 गांवों में 14 हजार लोगों में 32 कैंसर की पहली अवस्था में और 5 कैंसर मरीज की दूसरी अवस्था में पहचान की गई है। प्रभात रंजन ने बताया कि गांवों में प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के बारे में जानकारी होने के कारण इस ऐप का इस्तेमाल करने में लोगों को कोई पेरशानी नही होती है और उन्होंने कैंसर के इस नये ऐप का भली-भांति इस्तेमाल करके अपने परिवार के लोगों की समस्याओं से अवगत करा रहे हैं। ऐप के विडियो कॉलिंग के जरिये संबंधित चिकित्सकों से भी उनकी वार्ता करा कर उनके शरीर मे कैंसर के लक्षणों की पहचान की गई। इसके बाद आगे की जांच की व्यवस्था कराई गई और जांच के बाद कैंसर का पता चलने पर उनके यथाशीघ्र इलाज करने की व्यवस्था की गई। गरीब मरीजों का आयुष्मान कार्ड और मुख्यमंत्री मेडिकल सहायता कोश सहायता से इलाज कराया गया। जांच में जल्दी पकड़ में आने और तुरंत इलाज शुरु होने के कारण कैंसर के मरीज कैंसर से मुक्त हो चुके हैं। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि गांवों में परिवार के सदस्यों को भी कैंसर के मरीज बीमारी के बारे नहीं बताते हैं। इस जागरूकता अभियान के कारण वे डाक्टरों से डायरेक्ट बात करने में सक्षम हुए और उनकी इस सोच में कि इसे छिपाये रखना है और यह ठीक नहीं होने वाला है बदलाव आया। इससे बिहार की 10 करोड़ ग्रामीण आबादी की मानसिकता में बदलाव आएगा। भविष्य में चिकित्सा से संबंधित उनकी आर्थिक स्थिति में तब्दीली आएगी। मेडिकल व्यवस्था में चौथे स्टेज के कैंसर मरीजों की भीड़ में भी कमी आएगी। इससे सरकार और समाज दोनों को फायदा होगा। यह मॉडल जो डॉ. प्रभात रंजन डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर द्वारा डेवलप किया गया है देश के अन्य भागों में जहां कैंसर की समस्याएं ज्यादा है उपयोगी साबित होगा। इस तरह का अभियान पहली बार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए शुरु किया गया है और यह कैंसर के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई साबित होगा, क्योंकि इसमें प्रथम चरण में बीमारी को पकड़ने की कोशिश की जाती है। कई बार कैंसर का पता चलने पर भी मरीज जांच में कोताही बरतते हैं। ऐसे मरीजों को सही समय पर सही इलाज के लिए प्रेरित किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी ने 5वें लाइनमैन दिवस पर बिजली क्षेत्र के फ्रंटलाइन वर्कर्स को सम्मानित किया

पटना। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली सांविधिक निकाय, सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए) ने टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) के सहयोग से नई दिल्ली में 'लाइनमैन दिवस' के 5वें संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह खास दिवस भारत के बिजली क्षेत्र की रीढ़ माने जाने वाले लाइनमैन और ग्राउंड मेंटेनेंस कर्मचारियों के अमूल्य योगदान की सराहना करने के लिए मनाया जाता है। इस मौके पर देश भर के 45 से अधिक सरकारी और प्राइवेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन, जेनरेशन और ट्रांसमिशन कंपनियों के 180 से अधिक लाइनमैन निर्बाध बिजली की आपूर्ति बनाए रखने के अपने अनुभव, चुनौतियों और महत्वपूर्ण क्षणों को साझा करने के लिए एक साथ आए। इसके अलावा यह कार्यक्रम विचारों के आदान-प्रदान, सर्वोत्तम सुरक्षा कार्य प्रणालियों पर चर्चा करने तथा प्रतिभागियों के बीच सामूहिक सीख को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच भी बना। इस अवसर पर माननीय बिजली मंत्री एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने अपने संदेश में इस बात पर जोर दिया कि बिजली की विश्वसनीय पहुंच उद्योगों की संपन्नता, समृद्ध व्यवसायों और जीवंत समुदाय की जीवन रेखा है। लाइनमैन हमारे मूक नायक हैं, जो मौसम, आपदा या प्रतिकूल स्थिति जैसी किसी भी चुनौती का समाना करते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। लाइनमैन दिवस उनके अटूट समर्पण का जश्न मनाता है और ऊर्जा क्षेत्र में सुरक्षा, सहयोग और इनोवेशन को बढ़ावा देता है। उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करने के लिए समर्पित एक दिन, विशेष रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के दौरान, उनकी सुरक्षा और कल्याण के महत्व को रेखांकित करता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दिव्य जीर्णोद्धार फाउंडेशन आयोजित करेगा कार्यक्रम : सुरेन्द्र कुमार रंजन

पटना। दिव्य जीर्णोद्धार फाउंडेशन के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आगामी 8 मार्च 2025 को पटना में जगजीवन राम शोध संस्थान में समाज कल्याण से जुड़ी महिलाओं के सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें उन्हें उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। दिव्य जीर्णोद्धार फाउंडेशन के सदस्य सुरेन्द्र कुमार रंजन ने समारोह के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर समाज कल्याण में जुटी हुई महिला चिकित्सक, महिला साहित्यकार, महिला व्यवसायी, कवयित्री, महिला पत्रकार,महिला अधिवक्ता, महिला समाजसेवी एवं विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने ने कहा कि हमारी संस्था स्वामी विवेकानंद जी की जयंती से लेकर २८ फरवरी तक दिव्य जीर्णोद्धार फाउंडेशन ने सरस्वती विद्या मन्दिर शास्त्रीनगर, सरस्वती विद्या मन्दिर फुलवारी, जक्कनपुर साउथ पॉइंट पब्लिक स्कूल, भारती कन्या मध्य विद्यालय लोहिया नगर एवं कन्या मध्य विद्यालय वीरचन्द पटेल पथ, लोहिया नगर में सांस्कृतिक ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कर उसमे सम्मिलित प्रतिभागियों में बेहतर करने वाली छात्राओं को सम्मानित करेगी | सम्मान समारोह में भाग लेने के लिए अभी तक पटना उच्च न्यायालय की कई महिला अधिवक्ताओं, कलाकारों, साहित्यकारों एवं शिक्षाविदों ने अपना निबंधन फाउंडेशन के द्वारा दिए गए लिंक पर फॉर्म भर कर संस्था में भेजा है, उनमे से संस्था ५१ प्रतिभागियों को दिव्य जीर्णोद्धार फाउंडेशन सम्मानित करेगी। श्री रंजन ने कहा कि कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर किया जाएगा। इसके बाद छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की जाएगी। सरस्वती वंदना के उपरांत अतिथियों का स्वागत दिव्य जीर्णोद्धार फाउंडेशन के अधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा किया जाएगा। इसके बाद अतिथियों द्वारा महिला सशक्तिकरण पर विचार व्यक्त किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विजयी प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद विभिन्न विधाओं से जुड़े लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

सवि ठाकुर बने 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो के मुख्य किरदार, निभाएंगे रुद्र का दमदार रोल

पटना। सन नियो के शो 'रिश्तों से बंधी गौरी' के प्रोमो ऑन एयर होने के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। यह शो प्यार, पारिवारिक मूल्यों और गहरी भावनाओं से भरी एक दिल छू लेने वाली कहानी पेश करने जा रहा है। अब इस शो से जुड़ी एक और खास खबर सामने आई है वो है प्रतिभाशाली अभिनेता सवि ठाकुर इस शो में मुख्य भूमिका निभाने जा रहे हैं। वह 'रुद्र' के किरदार में नजर आएंगे, जो अपनी शख्सियत, जुनून और दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। रुद्र का किरदार निभा रहे सवि ठाकुर ने अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि मैं रुद्र के किरदार में 'रिश्तों से बंधी गौरी' का हिस्सा बनने को लेकर बहुत उत्साहित हूं ! जिस क्षण मैंने कहानी सुनी, मुझे पता था कि यह कुछ खास है। रुद्र एक मजबूत इरादों वाला और महत्वाकांक्षी व्यक्ति है जो अपनी शर्तों पर जीवन जीना चाहता है और यही बात इस किरदार को रोमांचक बनाती है। वह ऐसा व्यक्ति है जो अपनी आजादी को महत्व देता है, लेकिन साथ ही पारिवारिक बंधन भी उसके लिए महत्वपूर्ण हैं। उसका संघर्ष,भावनाएं और उसके चुनाव ने मुझे वास्तव में इस भूमिका को चुनने के लिए आकर्षित किया है।उन्होंने कहा कि यह शो व्यक्तिगत सपनों और पारिवारिक अपेक्षाओं के बीच टकराव को खूबसूरती से दशार्ता है, जिससे बहुत से लोग जुड़ाव महसूस करेंगे। रुद्र की यात्रा भावनाओं, दुविधाओं और कई उतार-चढ़ाव से भरी है जो दर्शकों को बांधे रखेगी। मैं हर व्यक्ति तक रुद्र की कहानी पहुंचाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। यह एक रोमांचक यात्रा होने वाली है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इससे उतना ही जुड़ेंगे जितना मैं जुड़ा हूँ !सवि ठाकुर अपनी बेहतरीन अदाकारी और प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में रुद्र का यह किरदार दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाला है। इस शो में इमोशन्स, रोमांस और फैमिली ड्रामा का एक खूबसूरत मिश्रण देखने को मिलेगा, जो दर्शकों को कहानी से जोड़े रखेगा।

अमृतसर से कटिहार के लिए रेलवे द्वारा वन वे होली स्पेशल ट्रेन

हाजीपुर। होली त्यौहार के मद्देनज़र यात्रियों के संभावित भीड़ हेतु अमृतसर से कटिहार (वाया शाहपुर पटोरी)के लिए रेलवे द्वारा वन वे होली त्यौहार विशेष ट्रेन चलाया जा रहा है l गाड़ी संख्या 04680 (अमृतसर -कटिहार) होली स्पेशल ट्रेन 7 मार्च 2025 को अमृतसर जं से 20:10 बजे खुलकर तीसरे दिन हाजीपुर,बरौनी ,बेगूसराय, खगड़िया , मानसी ,सहरसा आदि स्टेशनों पर रुकते हुए 10.30 बजे कटिहार जं पहुँचेगी ।

भविष्य में जनसंख्या वृद्धि - एक चुनौती होगी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत में बढ़ रही आबादी भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसी संभावनाएं बन रही हैं कि हो सकता है भारत जनसंख्या के मामले में बहुत जल्द चीन को पीछे छोड़ देगा। भारत के लिए जनसंख्या वृद्धि एक गंभीर चिंता का विषय है। क्योंकि जनसंख्या वृद्धि स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित करती है। देखा जाय तो जनसंख्या वृद्धि से भारत में गरीबी दिनों दिन बढ़ती जा रही है और खाद्य सुरक्षा में भी कठिनाई हो रही है। परिणामस्वरूप भारत की आर्थिक स्थिति असर पड़ रहा है। गरीबी के कारण निर्धन लोग समुचित भोजन तक पहुंचने में असफल हो रहे है और खाद्य सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भारत में अधिक आबादी के कारण पहले से ही दबाब झेल रही स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का बोझ और बढ़ रही है। भारत में कुछ सालों से, पेयजल उपलब्धता को लेकर भी, चुनौतियों का सामना कर रही है। जनसंख्या बढ़ने से पीने के साफ पानी की कमी देखी जा रही है, जिसके कारण कहीं जमीन से पानी निकालने पर कानूनन अनुमति आवश्यक है तो कहीं काबेरी नदी से तो कहीं गंगा नदी से पानी को रिफाईन कर आपूर्ति किया जा रहा है और कार्रवाई की की जा रही है। जनसंख्या वृद्धि के कारण तरह-तरह की समस्याएं हमलोगों के आंखों के सामने दिख रहा है और यह समस्याएं दिन पर दिन बद से बदतर होती जा रही है। दूसरी गंभीर समस्या है भारत में लिंग भेदभाव की है। जो बहुत ही चिंताजनक है। उपलब्ध आकंड़ों को माने तो प्रति एक हजार लड़कों की जनसंख्या पर 940 लड़कियां है। भारत की जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा गरीबी की चपेट में भी है। यह सर्वविदित है कि जिस देश की आबादी बढ़ती है तो गरीबों की संख्या में भी अप्रत्याषित वृद्धि होती है। जब गरीबी बढ़ती है तो इसके साथ ही कुपोषण और शारीरिक अक्षमता में भी बढ़ोतरी होती है। जनसंख्या वृद्धि के कारण बेरोजगारी भी बढ़ी है और बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराना सरकार के लिए कठिन ही नही नामुमकीन प्रतीत होता है। बढ़ती जनसंख्याओं और संसाधनों के अभाव में हर किसी को कौशलयुक्त बना पाना कोई आसान काम नहीं है, और नतीजा यह होता है कि सभी तंत्र पर दबाव बढ़ता है और लोगों को काम नहीं मिल पाता है। जब लोगों के पास बेरोजगारी होती है, तो वे बेहद कठिन परिस्थितियों में जीने को मजबूर होते है। ऐसे में, स्वभाविक रूप से अपराध बढ़ते हैं और युवाओं में आपराधिक व्यवहार हावी होने लगता है। वर्तमान समय में लोगों के जीवन के हर क्षेत्र में तकनीक का इस्तेमाल तेजी से बढ़ता है और बढ़ता जा रहा है। रोजगार के पुराने तौर-तरीके भी बदलते जा रहे है और बहुत से लोग रोजगार बिहिन जीवन जीने के लिए बाध्य हो रहे है। जनसंख्या वृद्धि का सीधा संबंध कई सामाजिक समस्याओं से भी है। इसमें निरक्षरता, बाल विवाह और अधिक लड़के पैदा कर, अधिक आमदनी जुटाने जैसे रूढ़ीगत सोच भी शामिल है। कई गरीब परिवार ऐसा मानते हैं कि अधिक बच्चे होने से उनकी आमदनी अधिक होगी। विगत दशकों में, भारत में, खाद्य उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लेकिन इस उत्पादन और इसके वितरण का हिसाब, बढ़ती आबादी की जनसंख्या के साथ, संतुलन नहीं बना पा रहा है। परिणामस्वरूप मुद्रास्फीति और उत्पादन की लागत में बढ़ोतरी देखा जा रहा है। यही स्थिति आवास और अन्य बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के मामले में दिखती है। जनसंख्या वृद्धि से बस्तियों की आबादी घनी हो रही है और शहरों का एक बड़ा हिस्सा झुगी-झोपड़ियों में तब्दील हो रहा है। ऐसी स्थिति में प्राकृतिक संसाधनों, जिसमें खासकर पानी की खपत में भी बड़ी तेजी आयी है। अधिक आबादी के कारण यातायात, शिक्षा, संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी काफी बोझ बढ़ रही है। भोजन और पानी की बढ़ती मांग की आपूर्ति के लिए अधिक जमीन और जल स्रोतों के दोहन किया जा रहा है। अब तो भारत में वन भूमि पर भी अतिक्रमण कर, खेती का चलन, बढ़ता जा रहा है। जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव तो अब ऐसा हो गया है कि अधिक उपज के लिए किसान लोग रसायनों का इस्तेमाल भी बेहतहासा कर रहे हैं, यह चितांकजनक बन गया है। जनसंख्या में तेज बढ़ोतरी, ग्रामीण क्षेत्रों से बडे पैमाने पर शहरों की ओर पालायन, सार्वजनिक स्वास्थ्य की समस्या, शिक्षा का स्तर नीचे उतरना, यह सब इसका परिणाम है। भारत मृत्यु दर को कम कर पाने में कामयाब रहा है, लेकिन जन्म दर के मामले में कामयाब नहीं हो पा रही है। जबकि प्रजनन दर में कमी हुई है परन्तु अन्य देशों की तुलना में अभी भी अधिक है। जनसंख्या वृद्धि के कारण ही स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का असर, जानलेवा बीमारियों और संक्रमणों के कारण, यौन रोगों का खतरा, वनों का क्षरण, वायु और जल प्रदूषण की वृद्धि, अधिक शिशु मृत्यु दर और अत्यधिक गरीबी के कारण भूख जैसी गंभीर समस्याएं, आर्थिक समानता में अवरोध है। ऐसे में आबादी का बड़ा हिस्सा बेहद खराब स्थितियों में जीवन जीने के लिए विवश हो रहा है। देखा जाय तो भविष्य में ये चुनौतियां और विकराल हो सकती है। इसके लिए व्यापक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है ताकि जनसंख्या नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन की जानकारी, स्वास्थ्य के बढ़ते खतरे की जानकारी आदि देनी चाहिए। बच्चों की संख्या दो तक सीमित करने पर भी जोर दिया जाना चाहिए।

ब्रिक्स सीसीआई की महिला इकाई ने किया वार्षिक महिला शिखर सम्मेलन एवं अभिनंदन 2025 का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महिला सशक्तिकरण इकाई ब्रिक्स सीसीआई डब्लू ई ने महिलाओं की अगुवाई में विकास की भावना का जश्न मनाते हुए वार्षिक महिला शिखर सम्मेलन एवं अभिनंदन 2025 का आयोजन किया। इस वर्ष के सम्मेलन का थीम महिला चेंजमेकर्स : दुनिया को बदलना, भविष्य को आकार देना था। इस अवसर पर एक स्मरणीय पुस्तक - शी फॉर हर का भी विमोचन किया गया जिसमें विविध पृष्ठभूमि से आने वाली पथप्रदर्शक महिलाओं की उपलब्धियों का उल्लेख किया गया है। इस सम्मान समारोह में आईपीएस (सेवानिवृत्त) एवं पोंडीचेरी की पूर्व उप राज्यपाल डाक्टर किरण बेदी, इथियोपिया की उप राजदूत बिजुनेश मेसेरेट, ब्रिक्स वुमेन्स बिजनेस एलायंस, दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय अध्यक्ष लेबोगैंग जुलु, अभिनेत्री, इको इनवेस्टर, यूएनईपी की गुडविल एंबेसडर दिया मिर्जा, डब्लू20 ऑस्ट्रेलिया की प्रतिनिधिमंडल प्रमुख चिओऊ सी एंडरसन, लिडर डे जेनेरियो स्टार्टअप 20- टास्क फोर्स ईएसजी, जी20 ब्राजील 2024 की प्रेसिडेंट एट इंस्पायरिंग वुमेन जियोवाना क्वाड्रोस, वुमेन इन मैनेजमेंट (डब्लूआईएम) की डाक्टर सुलोचना सेगेरा, बायोफूडलैब की सीईओ व संस्थापक एलेना शिफ्रिना, इंटरनेशनल एक्सिलरेशन प्रोग्राम ब्रिक्स बिजनेस इनक्यूबेटर और एससीओ बिजनेस इनक्यूबेटर की निदेशक तातियाना सेलिवरस्तोवा, एंटा ग्रुप की वाइस प्रेसिडेंट क्रिस्टिना ली (ली लिंग) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्ट्रैटेजी, चाइनीज एकैडमी ऑफ सोशल साइंसेज में एसोसिएट प्रोफेसर एवं सीनियर फेलो यांग शियाओपिंग को सम्मानित किया गया।

पत्रकारों की सम्मान और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता :मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रतिनिधि मंडल सूचना जनसम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी से मिलकर ज्ञापन सौंपा । मांग पत्र में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित कराना, पत्रकार पेंशन की राशि बीस हजार प्रति माह निर्धारित किया जाए । सोसल मीडिया और यूटुब पर खबर को तोड़ मरोड़ कर चलाने तथा अफवाह या सनसनी फैलाने पर नकेल लगाया जाए । प्रेस लिखे वाहनों की सघन जाँच तथा पत्रकारों की सूचि हर डीपीआरओ के पास उपलब्ध कराया जाए । मंत्री महेश्वर हजारी ने प्रतिनिधि मंडल को भरोसा दिलाया कि उच्च स्तरीय कमिटी बनाकर जल्द ही सोसल मीडिया और यूट्यूब पर खबर चलाने को लेकर तथा इसके नियंत्रण के लिए नीति बनाया जायेगा । यूनियन के महासचिव मुकुंद कुमार सिंह ने बताया कि पत्रकारों की हक की आवाज हम लगातार उठाते रहेंगे । पत्रकार की सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित करे सरकार । उन्होंने प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के तत्कालीन अध्यक्ष के बयान का हवाला देते हुये कहा कि सोशल मीडिया पत्रकारिता का माध्यम नही है । प्रतिनिधिमंडल में महासचिव प्रेम कुमार, वरिष्ठ छायाकार संजय कुमार, इंद्रजीत डे, राजीव कुमार, आर्यन रंजन, संतोष कुमार शामिल है।

हर क्षेत्र में सशक्त भागीदारी कर रही है महिलाएं : डॉ. शान्ति ओझा

नई सोच एक्सप्रेस

» संस्कार व सद्भाव के साथ होली मने तो समाज सुदृद्ध होगा : पूनम
» संस्कार संगीत संवर्द्धन केंद्र में महिला दिवस एवं रंगोत्सव

पटना। संस्कार संगीत संवर्द्धन केंद्र पूर्वी बोरिंग केनाल रोड में संस्था की संस्थापक डा पूनम सिन्हा के 'नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं रंगोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में युवा पीढ़ी की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वागत उद्बोधन में पूनम सिन्हा ने कहा 8 मार्च को महिला दिवस महिलाओं की बेमिसाल उपलब्धियों को उत्सव के रूप में मनाने की प्रेरणा लेकर आती है। इस समारोह का उद्देश्य युवा पीढ़ी की महिलाओं को सशक्त एवं उन्नत चरित्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करने के लिए आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि संस्कार व सद्भाव के साथ होली मनेगी तो समाज समृद्ध होगा। मुख्य अतिथि जागो बहन की संस्थापक डॉ. शान्ति ओझा ने कहा महिलाएं जन्मजात सशक्त होती है। इसकी चेतना जगाने की जरूरत है। आज ज्ञान, विज्ञान,शिक्षा, तकनीक, उद्योग, व्यापार, संगीत,कला हर क्षेत्र में सशक्त भागीदारी कर रही है। वक्ता के रूप में योग विशेषज्ञ हृदय नारायण झा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओ को अपने सम्पूर्ण नारी व्यक्तित्व और चरित्र को विकसित करने के लिए प्रेरित करती है। रंगोत्सव सभी प्रकार के दुखों से मुक्त होकर आनंद मनाने का उत्सव होता है। इस रंगोत्सव के अवसर पर संकल्प लेकर परस्पर युक्त भाव से होली का आनंद मनाना चाहिए और होली के बाद से अपनी सम्पूर्ण विकास के प्रति समर्पित होना चाहिए। भारतीय नृत्य कला मन्दिर की भरतनाट्यम विभागाध्यक्ष सुदीपा घोष ने कहा होली निर्मल मन से आनंद मनाने का त्योहार है। प्रकृति स्वरुपा होने से आनंद की आधार होती है महिला। जहां महिलाओं के स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की रक्षा होती है, उस घर में होली का आनंद बरसता है। जहाँ किसी कारणवश महिला बीमार, शोषित, पीड़ित प्रताड़ित हैं वहाँ होली का आनंद नहीं होता। दुर्गा वाहिनी की प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ शोभा रानी सिंह ने कहा सनातन धर्म में महिलाओं को पूज्यनीय स्थान प्राप्त है। महिलाओं पर ही धर्म रक्षा का भार होता है। इसका निर्वाह करने के लिए नयी पीढ़ी की महिलाओं का सर्वांगीण विकास आवश्यक है। इस मौके केरालीन पुष्पा सिंह, सुशील कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

पद्मश्री स्वर्गीय विंध्यवासिनी देवी की जयंती पर सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

» सैकड़ों कलाकारों,सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों को किया गया सम्मानित

पटना। बिहार स्वर कोकिला के नाम से भोजपुरी लोक संगीत की दुनिया में जाने वाली लोकगीत साम्राज्ञी, पद्मश्री स्वर्गीय विंध्यवासिनी देवी की 105वीं जयंती पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में दर्जनों लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य को लेकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रीना सिन्हा एवं आयोजक मंडल सह (सचिव) प्रेरणा संगठन, वरिष्ठ पत्रकार नीता सिंहा,उपाध्याय सेवा ट्रस्ट वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप उपाध्याय,मिशन चलो गांव की ओर अध्यक्ष विद्यार्थी जी एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनिया सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में मुख्य अतिथि एवं आयोजक मंडल के सभी सदस्यों के अलावे लोकगायिका राजकुमारी देवी, चंद्रकांत देवी,वंदना देवी,भजन सह लोकगायिका मीरा भारती, लोकगायक आचार्य तनिक पांडेय, बिहार की सुप्रसिद्ध लोकगीत गायिका आकाशवाणी दूरदर्शन पटना की ए ग्रेडेड कलाकार रीना सिन्हा,चंडीगढ़ स्टेज शो की सिंगर स्नेहा,भजन गायिका बिंदु किशोरी, आकाशवाणी दूरदर्शन पटना की लोकगायिका मृदुला वर्मा, लोकगायिका नीलम सिंहा, लोकगायक अरूण कुमार गौतम, सिंगर बंदना कुमारी, डॉ निशा पराशर,धीरज,चंदन उगना,सोनिया सिंह,नीता सिंह,प्रीति लता,वीणा बेनीपुरी, सिंगर अमीत कश्यप, संयुक्त संपादक रोजाना टाइम्स सह अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत-नेपाल पत्रकार यूनियन रमेश कुमार,सिंगर और रागिनी सिंह,भवानी शेखर चंद्र पूर्णिमा एवं आशिफ मुख्तार को सम्मानित कर इन सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

उद्योग विभाग ने RAMP कार्यक्रम के तहत उद्यमिता विकास कार्यक्रम के लिए ऐतिहासिक समझौता पर हस्ताक्षर किए

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए, उद्योग विभाग ने प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP) प्रशिक्षण के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल 'रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग MSME परफॉर्मेंस (RAMP)' कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य MSME को वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है। इस MoU पर कई प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनमें चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (CIMP), भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया (IIM बोधगया), केंद्रीय पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (CIPET) वैशाली और भागलपुर, और AMHSSC शामिल हैं। ये प्रमुख संस्थान राज्य भर के 80,000 MSME को गैर-आवासीय प्रशिक्षण प्रदान करेंगे, जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक व्यावसायिक वातावरण में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस किया जाएगा। प्रशिक्षण मॉड्यूल में डिजिटल और वित्तीय साक्षरता, लीन मैन्युफैक्चरिंग प्रथाएं और नेतृत्व विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल होंगे। इन मॉड्यूल का उद्देश्य MSME की दक्षता को बढ़ाना, वित्तीय समावेश सुनिश्चित करना और नेतृत्व कौशल को मजबूत करना है, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। MoU हस्ताक्षर समारोह में माननीय उद्योग मंत्री श्री नीतीश मिश्रा, निदेशक, तकनीकी विकास श्री शेखर आनंद, सहायक उद्योग निदेशक, श्रीमती निशा कुमारी एवं RAMP कार्यक्रम टीम के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर माननीय मंत्री ने कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया, जिससे MSME क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई कि वह उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देने और सूक्ष्म और मध्यम उद्यमों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसके साथ ही माननीय मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा, बिहार सरकार द्वारा MSME सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित योजना मुख्यमंत्री उद्यमी योजना और बिहार लघु उद्यमी योजना के माध्यम से प्रदेश में MSME सेक्टर को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत युवाओं को न केवल वित्तीय सहायता मिलती है, बल्कि अनिवार्य प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से उन्हें व्यावसायिक कौशल भी सिखाया जाता है, जिससे वे अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक स्थापित और संचालित कर सकें। साथ ही, उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देने और सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए उद्योग विभाग, बिहार सरकार लगातार प्रयासरत है।

संक्षिप्त समाचार

युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा ने कुलपति को सौंपा माँग पत्र

छपरा। सामाजिक संगठन युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के प्रमुख संरक्षक शेख नौशाद ने गुरुवार को जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के कुलपति प्रमेन्द्र बाजपेई को माँगपत्र सौंपा। शेख नौशाद ने सभी सत्रों के विश्वविद्यालय द्वारा सुधार किए जा रहे अंकपत्रों को विश्वविद्यालय के साइट पर अपलोड करने के साथ परीक्षा विभाग के सूचना पट्ट पर अंक पत्र सुधार सूची लगाने का आदेश देने की बात कही। उन्होंने कहा कि इससे छात्रों को बार-बार महाविद्यालय और विश्वविद्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा और महाविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा जो छात्रों को शोषण किया जाता है उससे छुटकारा मिलेगा। प्रतिनिधि मंडल में इम्तेयाज खान उर्फ गुड्डू खान, कादिर हुसैन, अमृत कुमार, तैयब हुसैन, जितेश कुशवाहा थे।

सुमन किन्नर अग्नि पीड़ितों के बीच जाकर बांटे सूखा राशन एवं कपड़े

समस्तीपुर। जिले के हसनपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत दूधपूरा पंचायत के खराज गांव में बुधवार को आठ घरों में आग लग गई थी। आग लगने की खबर सुमन किन्नर को लगी तो आज अग्नि पीड़ितों के बीच आकर सुखा राशन इसमें चावल दाल आलू प्याज मसाला बिस्किट एवं कपड़ा का वितरण किये। वही सुमन किन्नर ने अपील करते हुए कहा कि जिस तरह हम अग्नि पीड़ितों को मदद कर रहे हैं इसी तरह जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारी को आगे आकर मदद करना चाहिए। मौके पर पंचायत के सरपंच रणवीर कुमार , सौम्या सुमन , प्रीति , काली माई , रामबाबू कुमार , विपिन कुमार उपस्थित थे

वनसप्ती माई महोत्सव एक ऐतिहासिक पहल

सुगौली। प्रखंड के वनसप्ति माई स्थान के समीप जिला प्रशासन द्वारा गुरुवार को वनसप्ति माई महोत्सव का तीसरा आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय सांसद सह भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. संजय जायसवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर पूर्व मंत्री विजय गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि मनोज सहनी,स्थानीय मुखिया रेनू देवी सहित अन्य अतिथि मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री जायसवाल ने वनस्पति माई की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वनसप्ति माई महोत्सव का आयोजन एक बड़ी बात है। सदियों से वनसप्ती माई स्थान की अपनी खाश महता है। हम सभी वनस्पति माई का हमेशा नमन करते है। ऐसे में वनसप्ती माई महोत्सव एक ऐतिहासिक पहल है। मां वनस्पति सभी पर अपना कृपा बनाये रहे। उन्होंने कहा कि कला संस्कृति की रक्षा करने के लिए सरकार इस तरह की महोत्सव कर रही है। एनडीए सरकार की यह सोच है कि हम अपनी संस्कृति को जाने और समझे। हमारी इतिहास, संस्कृति, परंपरा एक है। सांसद ने कहा कि बचपन से हीं मां वनस्पति माई का दर्शन कर के हीं गुजरते थे। वनस्पति माई स्थान की देखरेख यहां के ग्रामीणों द्वारा किया जाता रहा है। सदर एसडीएम स्वेता भारती ने कहा कि यह आयोजन बहुत अच्छा है। इस कार्यक्रम में शामिल होने मेरे लिए शौभाग्य की बात है। स्थानीय मुखिया रेनी देवी ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। मौके पर बीडीओ नूतन किरण, बीपीआरओ नाजिश प्रवीण थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, सीओ कुंदन, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि मनोज सहनी, उप प्रमुख प्रतिनिधि शंभू साह, संत सिंह कुशवाहा, जेडीयू प्रखंड अध्यक्ष अरविंद सिंह कुशवाहा, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ, अनिरुद्ध सिंह, पीओ सतीश कुमार, अखिलेश्वर प्रसाद, प्रियरंजन कुमार, छोटन कुमार, अरविंद कुशवाहा, अरविंद यादव, रोहित तिवारी, मेघनाथ प्रसाद सहित बड़े संख्या में लोग उपस्थित थे। मंच का संचालन निर्मल झा ने किया। मौके पर कलाकारों सहित स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बच्चों ने मनमोहक नृत्य से उपस्थित लोगों को भरपूर मनोरंजन परोसा। अपनी आकर्षक झांकी व सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर महफिल में चार चांद लगा। जहां हजारों की संख्या में मौजूद दर्शकों ने कार्यक्रम का भरपूर लूत्फ उठाया। मौके पर मध्य विद्यालय सुगौली लेन के छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए बेटी सचाओ बेटी पढ़ाओ और धरती को बचाओ जहर से कार्यक्रम को दर्शकों ने सराहना किया।

मढ़ौरा में प्रशांत किशोर के आगमन को लेकर जनसम्पर्क का दौर जारी

नई सोच एक्सप्रेस

» बिहार के विकास के लिए उम्मीद की नई किरण है प्रशांत किशोर : युवराज

छपरा।जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के आगामी आठ मार्च को सारण जिले के मढ़ौरा में आयोजित कार्यक्रम की तैयारी को लेकर जनसुराज के सारण प्रभारी प्रियरंजन युवराज के नेतृत्व में जनसंपर्क का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में अमनौर,मढ़ौरा तथा तरैया विधानसभा के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क करते हुए युवराज ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के संघर्ष एवं संकल्प के संबंध में आमजनों को अवगत कराया। युवराज ने सभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रशांत किशोर बिहार के विकास के लिए उम्मीद की नई किरण है। उन्होंने आठ मार्च को मढ़ौरा आ रहे जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के कार्यक्रम में अधिक से अधिक की संख्या शामिल होने के लिए महिलाओं , युवाओं और किसानों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर जनसुराज विस्तार कार्यक्रम के तहत सभी सभाओ में 25 नए सदस्य बनाये गए। मौके पर अनुमंडल संयोजक निलेश सिंह, कार्यालय प्रभारी राजीव चौधरी, जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह, गोलू सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। सभा की अध्यक्षता मढ़ौरा प्रखंड महामंत्री भारतेश्वर सिंह तथा संचालन अभियान संयोजक नागेन्द्र सिंह निराला ने किया।

सभा को सम्बोधित करते युवराज

जिलाधिकारी ने किया शिल्हौड़ी मंदिर व पॉलिटेक्निक का निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा वन प्रमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा के साथ शिल्हौड़ी मंदिर को पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित करने हेतु स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा मंदिर परिसर के घेरे में निर्माणाधीन चहारदीवारी में मंदिर के निकास द्वार के सामने चहारदीवारी को तोड़कर बड़ा निकास द्वार बनाने तथा मंदिर के निकास द्वार के पास अवस्थित सीढ़ी को आवश्यकतानुसार समतलीकरण करने का निदेश दिया गया ताकि श्रद्धालुओं को मंदिर से निकासी में काफी सहूलियत हो सके। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी को उक्त मंदिर के बीस फीट चौड़े पहुंच पथ जो अतिक्रमण के कारण काफी संकीर्ण है, की मापी कराकर दोनों तरफ पिलर, सिकड़ आदि से सीमांकन कराते हुए सभी अस्थाई अतिक्रमणों को अविलंब हटाने का निदेश दिया गया ताकि श्रद्धालुओं को उक्त पहुंच पथ के माध्यम से मंदिर में प्रवेश करने में कोई समस्या उत्पन्न नहीं होने पाए।निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी, मढ़ौरा, अंचलाधिकारी, मढ़ौरा तथा थानाध्यक्ष, मढ़ौरा उपस्थित रहे।वही अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा के साथ राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मढ़ौरा का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा उक्त कॉलेज में एक उप स्वास्थ्य केंद्र प्रारंभ करने हेतु एक कमरे का चयन करते हुए अविलंब उक्त स्वास्थ्य केंद्र का संचालन प्रारंभ करने हेतु सिविल सर्जन को निदेश देने के साथ उक्त कॉलेज के प्राचार्य को भवन प्रमंडल से समन्वय स्थापित कर कॉलेज के आंतरिक परिसर की अविलंब आवश्यक मरम्मती तथा कॉलेज के प्रवेश द्वार को सुव्यवस्थित ढंग से सुसज्जित करने का निदेश दिया गया।

पुनपुन में शहीद कामेश्वर सिंह का पुण्यतिथि मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन। पुनपुन में अमर शहीद कामेश्वर प्रसाद सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर उनके आदमकद मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। पूर्व सांसद रामकृपाल यादव ने बताएं कि शहीद कामेश्वर बाबू का व्यक्तित्व काफी अच्छा था वह हमेशा गरीब, असहाय, निर्धन लोगों को मदद किया करते थे बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी से अनुरोध करूंगा कि पुनपुन में कामेश्वर बाबू के नाम पर पुस्तकालय या कुछ और भी बड़ा बनाया जाए जो स्मारक के रूप में स्थापित हो सके। पूर्व मंत्री श्याम रजक ने शहीद कामेश्वर बाबू के बारे में बताएं कि वह पूरे जिंदगी इस इलाके के शांति एवं क्षेत्र के विकास के लिए अपनी जिंदगी दे दिए ऐसे व्यक्ति को भगवान अपने चरणों में स्थान दे। इसकी कामना करते हैं। इस अवसर पर मंत्री मंटू पटेल,पूर्व सांसद रामकृपाल यादव, विधान परिषद रविंद्र प्रसाद सिंह,पूर्व मंत्री श्याम रजक, पूर्व विधान परिषद वाल्मीकि सिंह, पूर्व विधायक अरुण मांझी, अंजनी सिंह (शहीद कामेश्वर बाबू के छोटे भाई) पूर्व जिला परिषद अरविंद सिंह, रितेश कुमार नगर पंचायत अध्यक्ष, बंटी चंद्रवंशी पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मंटू कुमार, मनीष कुमार समाजसेवी, ओमप्रकाश सिंह समाजसेवी,पूर्व मुखिया शंभू सिंह,राजेश सिंह समाजसेवी, सुधीर कुमार समाजसेवी गुड्डू जी तथा अन्य प्रखंड वासी मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई जाएगी वीरता के पर्याय बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान की अमिट गाथा को पुनः जीवंत करने के लिए गगनभेदी जयघोषों और राष्ट्रभक्ति के सागर के साथ बाबू वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। यह ऐतिहासिक आयोजन सारण सांसद, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुडी के नेतृत्व में गैर-राजनीतिक संगठन विभा-2025 के बैनर तले श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल, पटना में आयोजित होगा। विजयोत्सव समारोह में अपने अद्वितीय हवाई कौशल और सटीक उड़ान प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध भारतीय वायुसेना की एरोबैटिक टीम सूर्य किरण भी अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन कर सकती है। इसके लिए सांसद रुडी ने पहल की है। इस आयोजन को लेकर बिहार के विभिन्न जिलों से पधारे क्षत्रिय समाज के गणमान्य जनों के साथ सांसद रुडी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। यह बैठक बोरिंग रोड में हुई, जिसमें वीरता के प्रतीक बाबू वीर कुंवर सिंह के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प को दोहराया गया। बैठक में सीवान के जदयू नेता अजय सिंह, औरंगाबाद से भाजपा नेता गोपाल शरण सिंह, भाजपा नेता राकेश सिंह, जयप्रकाश सिंह अरवल, ब्रजेश सिंह दरभंगा, जनार्दन सिंह गया, भाजपा नेता बिनोद सम्राट, कटिहार से जिला परिषद की चेयरमैन रश्मि सिंह समेत विभिन्न जिलाओं से क्षत्रिय समाज के सैकड़ों गणमान्य लोग शामिल हुए।इस संदर्भ में सांसद रुडी ने कहा कि 1857 की क्रांति के अमर शिल्पी बाबू वीर कुंवर सिंह का योगदान केवल शाहाबाद और भोजपुर तक सीमित नहीं था, बल्कि सारण की धरा भी उनकी क्रांतिकारी गतिविधियों की साक्षी रही। उनका संघर्ष स्वतंत्रता की ज्वाला को प्रज्वलित करने वाला वह अग्निकुंड था, जिसकी लपटों ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी। इसी प्रेरणा को आत्मसात करते हुए, विजयोत्सव का आयोजन एक भव्य स्वरूप में किया जाएगा।

लेट्स इंस्पायर बिहार

राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑडिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

अपने जीवन में तीन लोगों को मदद और उन्हें तीन व्यक्तियों की मदद के लिए प्रेरित कीजिए

नई सोच एक्सप्रेस

[चाहे जो हो जाएं अपनी मां से सबको प्रेम होता हैं। होने की वजह भी है वात्सल्य से पूर्ण मां अपने पुत्रों को आंचल की छांव दे कर हर बलाइयो से दूर रखने का प्रयास करती हैं। अपनी मातृभूमि में भी ऐसे ही गुण मौजूद हैं। खाद पदार्थों से भरी और औषधियां गुणों से युक्त पेड़ पौधों वाली अपनी मातृभूमि अपनी संतानों को आपस में जात, धर्म और क्षेत्र के नाम पर लड़ते देख दुखी है। वो दूर कहीं बैठ कर अपने सुंदर और रमणीय अतीत को निहार रही है। कभी अतीत को याद कर मुस्कुराती तो कभी वर्तमान के भयावह रूप को देखकर बिलख बिलख के रो रही है। अनेक गुणों वाले अपने पुत्रों को लघुवादो के विषैले जाल में फंसते हुए देख कर कहर रही है। दुखी मातृभूमि के आशुओं को पोछने के लिए, उसके बुढ़ी लाठी को सहारा देने के लिए आईपीएस विकास वैभव अपने लेट्स इंस्पायर अभियान के लाखों सदस्यों के साथ खड़े हो चुके हैं। और, अन्य युवाओं को जागृत करने के लिए बिहार के हर जिले में जाकर युवा संवाद कर रहे है।] धर्म, जात और क्षेत्र की अपनी अपनी सुंदरता और महता हैं। लेकिन जब ये मानव के बीच दीवार खींचने का प्रयास करें तो निश्चित ही मातृभूमि पर अधिकार जमाने के लिए दुश्मनों की चाल कामयाब हो जाती हैं। जब एक कमजोर देश शस्त्रों से सामना नहीं करता तो वो कूटनीति का सहारा लेता है। वह देश छल की नीति का सहारा लेकर अपने से मजबूत देशों के मानवों को धर्म, जाति और क्षेत्र के नाम पर आपस में लड़वाने का प्रयास करता है। इन बातों से भारत का इतिहास गवाह है। आज भारत के छात्र आधुनिक भारत के इतिहास में यह शिक्षा ग्रहण करते हैं कि कैसे अंग्रेजों ने छल कर, भारत के लोगों को जात, धर्म और क्षेत्र के नाम पर लड़वाया और भारत को गुलाम बना कर लगभग तीन सौ वर्षों तक शासन किया। अंग्रेजों ने भारत के मजबूत मुगल वंश को छूने का प्रयास आरंभ में नहीं किया। वो भारत में कमजोर क्षेत्रों की तलाश करते गए और धीरे धीरे धर्म, जात और क्षेत्र के नाम पर भारतीयों को उलझा कर धीरे धीरे उनके क्षेत्रों पर अपना आधिपत्य जमाने लगें। भारत से सूती कपड़े, रेशम, काली मिर्च, लौंग, इलायची और दालचीनी यूरोप जाने लगा था। ईस्ट इंडिया कंपनी का जहाज 1608 में सूरत पहुंचा। वहां पुर्तगालियों को डच ईस्ट इंडिया कंपनी की मदद से रास्ते से हटाया। फिर मुगल शासक जहांगीर से रिश्तों को मजबूती दी। यूरोपीय वस्तुओं के बदले भारतीय शासकों का दिल जीता। धीरे-धीरे कूटनीति के जरिये उनके राजनीतिक मामलों में दखल शुरू किया। ताकत भी बढ़ाते रहे। कंपनी ने मुगल से टैक्स में छूट प्राप्त कर ली थी। अब अफसर भी निजी कारोबार करने लगे थे और वे टैक्स नहीं चुकाते थे। इसका बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला ने विरोध किया। कलकत्ता में ब्रिटिश संपत्ति पर कब्जा जमा लिया। अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। तब कंपनी का एक और गढ़ था मद्रास (आज का चेन्नई) में। वहां से रॉबर्ट क्लाइव नौसेना लेकर आए और 1757 में सिराजुद्दौला से प्लासी का युद्ध लड़ा। सिराजुद्दौला के सेनापति मीर जाफर ने विश्वासघात किया और युद्ध में नवाब की मौत हो गई। जल्द ही कंपनी को लगने लगा कि कठपुतली नवाब काम नहीं आएंगे। सत्ता अपने हाथ में होनी चाहिए। तब 1765 में मीर जाफर की मौत के बाद कंपनी ने रियासत अपने हाथ में ली। मुगल सम्राट ने कंपनी को बंगाल का दीवान बना दिया यानी "कंपनी बहादुर" अस्तित्व में आया। अंग्रेजों के सामने दो बड़ी चुनौतियां तब भी थीं। दक्षिण में टीपू सुल्तान और विंध्य के दक्षिण में मराठा। टीपू ने फ्रेंच व्यापारियों से दोस्ती कर ली थी। सेना को आधुनिक बना लिया था। वहीं, मराठा दिल्ली के जरिए देश पर शासन करना चाहते थे।सीताराम पांडे ने "फ्रॉम सिपॉय टू सुबेदार" संस्मरण में लिखा है कि यह सबको लग रहा था कि अंग्रेज भारतीय धर्मों का सम्मान नहीं करते। नाराजगी तो थी लेकिन जब यह खबर आई कि नई बंदूकों के कारतूसों पर गाय और सूअर की चर्बी का लेप है तो कंपनी में सिपाही भड़क गए।1857 में मेरठ में सिपाही विद्रोह के चलते मंगल पांडे को फांसी पर चढ़ाया गया। वहां से उठी चिंगारी ने झांसी, अवध, दिल्ली, बिहार में क्रांति को हवा दी। रानी लक्ष्मीबाई, बहादुर शाह जफर, नाना साहेब आदि ने मिलकर एक साथ बगावत कर दी। अंग्रेजों को खदेड़ दिया गया था। कंपनी ने तब लंदन से फौज बुलवाई। सितंबर-1857 में दिल्ली में फिर अंग्रेजों का कब्जा हुआ। मार्च-1858 में लखनऊ, जून-1858 में झांसी पर अंग्रेज फिर हावी हुए। ब्रिटिश संसद ने कानून पारित किया और भारत की सत्ता ईस्ट इंडिया कंपनी के हाथ से महारानी के हाथ में चली गई। यह सब इसलिए लेख के माध्यम से साझा कर रहा हूं क्योंकि बिहार भी लघुवाद से घिर रहा है। यह सचेत होने का समय है। लोग अपने राज्य से प्रेम करते है। चाहे जो हो जाएं अपनी मां से सबको प्रेम होता हैं। होने की वजह भी है वात्सल्य से पूर्ण मां अपने पुत्रों को आंचल की छांव दे कर हर बलाइयो से दूर रखने का प्रयास करती हैं। अपनी मातृभूमि में भी ऐसे ही गुण मौजूद हैं। खाद पदार्थों से भरी और औषधियां गुणों से युक्त पेड़ पौधों वाली अपनी मातृभूमि अपनी संतानों को आपस में जात, धर्म और क्षेत्र के नाम पर लड़ते देख दुखी है। वो दूर कहीं बैठ कर अपने सुंदर और रमणीय अतीत को निहार रही है। कभी अतीत को याद कर मुस्कुराती तो कभी वर्तमान के भयावह रूप को देखकर बिलख बिलख के रो रही है। अनेक गुणों वाले अपने पुत्रों को लघुवादो के विषैले जाल में फंसते हुए देख कर कहर रही है। दुखी मातृभूमि के आशुओं को पोछने के लिए, उसके बुढ़ी लाठी को सहारा देने के लिए आईपीएस विकास वैभव अपने लेट्स इंस्पायर अभियान के लाखों सदस्यों के साथ खड़े हो चुके हैं। और, अन्य युवाओं को जागृत करने के लिए बिहार के हर जिले में जाकर युवा संवाद कर रहे है। लेख के माध्यम से यहीं कहना चाहता हूं कि बिहार को ही अपना जात, धर्म और क्षेत्र बनाएं युवा। लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान से जुड़कर आईपीएस विकास वैभव का मनोबल ऊंचा करें। आइए, मिलकर बिहार को प्रेरित करते हैं।

कटिहार के बरारी में 11 दिवसीय क्रिकेट मैच हुआ का फाइनल खेला गया

नई सोच एक्सप्रेस

» मुख्य पार्षद बबीता कुमारी व हिटलर यादव ने विजेता टीम को 41 हजार और उप विजेता टीम को 21 हजार रुपए राशि देकर किया पुरस्कृत

कटिहार। कटिहार जिले के बरारी प्रखंड अन्तर्गत गुरुबाजार के जागेश्वर उच्च विद्यालय के मैदान में बीएमसीसी के द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट खेल का आयोजन किया गया था। जिसका फाइनल मैच गुरुवार को हजारों दर्शकों के बीच खेला गया। इस फाइनल मुकाबले को देखने के लिए काफी दूर दराज ग्रामीण क्षेत्रों के लोग पहुंचे थे। इस टूर्नामेंट में कटिहार से आये बग्गा एलेवन क्रिकेट खिलाड़ियों ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 194 रन बनाया। जबकि कटिहार की दुसरी टीम बिक्की एलेवन के खिलाड़ियो ने 18 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाकर मैच में जीत हासिल की । इस क्रिकेट मैच में मैन ऑफ द मैच मो० निजामुद्दीन जबकि मैन ऑफ द सिरिज मो० फिरोज बने। विजेता टीम को मुख्य पार्षद बबीता कुमारी यादव और नीरज कुमार कश्यप उर्फ हिटलर यादव ने नगद ईनाम की राशि 41 हजार रुपये जबकि उप विजेता टीम को 21 हजार रुपए की राशि देकर सम्मानित किया। इसके अलावा बाकी खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बरारी नगर पंचायत के मुख्य पार्षद बबीता कुमारी यादव,मुख्य पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार यादव उर्फ हिटलर यादव,नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी स्वरा कुमारी,नगर पंचायत कार्यालय के इन्जीनियर पलव्वी कुमारी,विशाल कुमार ,बीएमसीसी कमिटी के अध्यक्ष दीपक कुमार, सचिव रवि राज ,कोषाध्यक्ष डा०सुभाष, एम्पायर सुरज शर्मा, रोहित सहनी, कमेंटेटर सुरज कुमार राय, रीतिक शुभव पाठक, प्रो० विनोद यादव,वार्ड पार्षद प्रतिनिधि राजू मियां, अन्नु भारती सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

थाना AHTU पुलिस टीम ने नाबालिग को बहला फुसलाकर भगाकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने वाला एक नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। पुलिस आयुक्त वाराणसी के अपराधों की रोकथाम,चोरी/लूट की घटनाओ के सफल अनावरण एवं वांछित/फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त काशी जोन के निर्देशन में अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन व अपर पुलिस उपायुक्त महिला अपराध के पर्यवेक्षण में एवं श्रीमान् सहायक पुलिस आयुक्त भेलूपुर के नेतृत्व में थाना भेलूपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 0312/2022 धारा- 363 भादवि से सम्बन्धित नाबालिक पीड़िता का मोबाइल लगातार बन्द होने के कारण काफी सूक्ष्म विश्लेषण के आधार पर पीड़िता का दिल्ली में होना प्रमाणित होने पर थाना AHTU पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त से संबंधित अभियुक्त समीर मलिक समीर पुत्र मो0 इदरीस निवासी मकान नं0- E-119 BINDAPUR POKET- 4 थाना डाबरी जिला द्वारका वेस्ट देल्ही उम्र लगभग 25 वर्ष को गिरफ्तार कर अपहृता को बरामद कर 6 मार्च 2025 को समय करीब 14.50 बजे थाना भेलूपुर में दाखिल किया गया तथा मुकदमा में अपहृता के बरामदगी व अभियुक्त के गिरफ्तारी के आधार पर धारा- 366/376(2)(N) व 5l/6 पाक्सो एक्ट की बढोत्तरी की गयी और अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी हैं | अभियुक्त की गिरफ्तारी में विजय कुमार शुक्ला प्रभारी निरीक्षक थाना AHTU, उ0नि0 बृजेश कुमार पाण्डेय,महिला मुख्य आरक्षी सीमा गौतम,का0 गोविन्द यादव सहित AHTU की पुलिस टीम शामिल थी |

दिल्ली पब्लिक स्कूल में तृतीय वर्षगांठ समारोह का उद्घाटन सांसद राजेश वर्मा ने किया

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर/हसनपुर। प्रखंड क्षेत्र के हसनपुर चीनी मिल पुल के निकट स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के तृतीय वार्षिकोत्सव में खगड़िया लोकसभा के सांसद राजेश वर्मा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सिरकत कर हसनपुर विधानसभा के पूर्व विधायक राजकुमार राय, हसनपुर विधानसभा के वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाषचंद्र यादव, हसनपुर चीनी मिल के प्रबन्धक आर के तिवारी ने समारोह कार्यक्रम का उद्घाटन किया। जहाँ सांसद राजेश वर्मा ने कार्यक्रम से प्रभावित होकर विद्यालय के चेयरमैन संजय गुप्ता, विद्यालय के डायरेक्टर राजी गुप्ता व विद्यालय के सभी आचार्यगण तथा हसनपुर विधानसभा के सभी अभिभावकों को कोटि कोटि आभार व्यक्त किया। मौके पर जिला परिषद प्रतिनिधि सिकन्दर आलम, संजय सिंह लल्लू, बैजनाथ झा, महेश यादव, गायत्री सिंह, संजीव कुशवाहा, मनोरंजन राय, श्रीकान्त कुशवाहा, हरि पासवान आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए जागरूक करना सेंसोडाइन का लक्ष्य : किशले सेठ

गया। सेंसोडाइन ने महाकुंभ में मात्र 1 दिन में 27,396 डेंटल स्क्रीनिंग पूरी की। यह रिकॉर्ड सेंसोडाइन के वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे कैंपेन की शुरुआत करता है, जिसका लक्ष्य लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए जागरूक करना है। उक्त बातें ओरल हेल्थ, हेलियोन इंडिया सबकॉन्टिनेंट के कैटेगरी लीड किशले सेठ ने कही। उन्होंने कहा कि सेंसोडाइन पिछले 10 सालों से भी ज्यादा समय से लोगों को दांतों की सेंसिटिविटी पहचानने और सही समय पर उसके लिए कदम लेने के लिए जागरूक कर रहा है। इस दौरान, ब्रांड ने पूरे भारत में चिल टेस्ट किए हैं, जिससे लाखों लोगों को उनकी समस्या को समझ कर उसके लिए कदम लेने और फिर से अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ़ उठाने में मदद मिली है। यह पहल लोगों की जीवन की खुशहाली लौटने की दिशा में एक बड़ा कदम है। महाकुंभ में हुई इन डेंटल स्क्रीनिंग्स को कुल 200 से भी ज़्यादा प्रोमोटर्स की एक समर्पित टीम ने चलाया। इस पहल को ए डेंटल फ्रेंड और स्मिलो के साथ मिलकर मोबाइल टेक्नोलॉजी के माध्यम से अंजाम दिया गया। इसके अलावा, 30 से भी ज़्यादा आईडीए-सदस्य डेंटिस्ट्स ने पूरी प्रक्रिया की निगरानी की और लोगों की शंकाओं का समाधान किया, जिससे यह अनुभव सुव्यवस्थित और विश्वसनीय बना।

नथिंग फ़ोन (3ए) और फ़ोन (3ए) प्रो भारत में लॉन्च किए गए

पटना। नथिंग ने आज फ़ोन (3ए) सीरीज़ पेश की, जो एडवांस्ड फ़ीचर्स के साथ अपने मिड-रेंज लाइनअप को और बेहतर बनाती है। बहु-चर्चित फ़ोन (2ए) पर आधारित, इसमें है ऑप्टिकल ज़ूम के साथ एक एडवांस्ड ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, एक दमदार Snapdragon® प्रोसेसर, एक उज्ज्वल, ज़्यादा रिस्पॉन्सिव डिस्प्ले और एसेंशियल स्पेस जैसे नथिंग ओएस नवाचार - ये सब दो खास बेहतर डिज़ाइनों में आ रहे हैं। फ़ोन (3ए) और फ़ोन (3ए) प्रो दोनों में ही ज़्यादा सोफ़ेस्टिकेटेड लुक और फ़ील है, जिसमें अपग्रेडेड ग्लास बैक पैनल, इनटर्नल संरचना में बढ़ी हुई समरूपता और फ़िनिश में परिष्कृत विज़ुअल डिटेल्स और तत्व शामिल हैं। इसके अलावा, फ़ोन (3ए) सीरीज़ ने अपनी टिकाऊपन को भी आईपी64 रेटिंग में अपग्रेड किया है। जब कैमरे की बात आती है, तो नथिंग ने फ़ोन (3ए) सीरीज़ में अब तक का सबसे एडवांस्ड कैमरा सिस्टम पेश किया है। फ़ोन (3ए) में पहली बार ऑप्टिकल ज़ूम के साथ एक अपग्रेडेड 50एमपी मेन सेंसर और एक सोनी अल्ट्रा-वाइड सेंसर की सुविधा होगी। फ़ोन (3ए) के टेलीफ़ोटो कैमरे में 50 मिमी समतुल्य फोकल लेन्थ पर विस्तृत शॉट्स के लिए तेज़ एफ/2.0 अपर्चर के साथ एक दमदार 50एमपी सेंसर है। फ़ोन (3ए) प्रो फ़्लैगशिप टेलीफ़ोटो ज़ूम, फ़ोन (3ए) प्रो के दमदार पेरिस्कोप ज़ूम के साथ बहुमुखी प्रतिभा को पूरा करता है। इसका हार्डवेयर पूरी तरह से अपग्रेडेड है। इसमें 70 मिमी समतुल्य फ़ोकल लेन्थ और तेज़ एफ/2.55 अपर्चर के साथ एक बड़ा 1/1.95-इंच सोनी LYTIA 600 सेंसर शामिल है। ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन के साथ, फ़ोन (3ए) प्रो का पेरिस्कोप कैमरा सभी प्रकार की रोशनी में, चाहे वह घर के अंदर हो या रात में, अच्छी गुणवत्ता वाली तस्वीरें खींच सकता है। फोन (3ए) में सैमसंग के साथ मिलकर बनाया गया 50एमपी का मुख्य सेंसर है। जबकि, होन (3ए) प्रो का 50एमपी मेन सेंसर एडवांस्ड सेंसर टेक्नोलॉजी के साथ अनुभव को और बेहतर बनाता है, 43 प्रतिषत तेज़ ऑटो-फ़ोकस और दोगुनी पिक्सेल फ़ुल वेल क्षमता प्रदान करता है, जिससे प्रकाश की प्रतिकूल स्थितियों में ज़्यादा डिटेल्स मिलते हैं।

सोनालीका ने फरवरी 2025 में कुल 10,493 ट्रैक्टर की बिक्री की

पटना। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने फरवरी 2025 में कुल 10,493 ट्रैक्टर बिक्री के शानदार प्रदर्शन के साथ वित्त वर्ष 2025 के अंतिम चरण में प्रवेश किया। सर्वोत्तम उत्पाद और सर्विस प्रदान करने के अपने मजबूत बुनियादी मूल्य का लाभ उठाते हुए, कंपनी ने अपनी वाईटीडी फरवरी 2025 में अब तक की सर्वाधिक 1,13,279 घरेलू ट्रैक्टर बिक्री भी दर्ज की है और उद्योग वाईटीडी प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया है। भारत की विकास यात्रा में सक्रिय रूप से योगदान देते हुए सोनालीका वास्तव में किसानों के लिए बेहतर परिणाम और सफलता सुनिश्चित करने हेतु इनोवेशन और ताकत सुनिश्चित करता है। शानदार प्रदर्शन पर अपने विचार साझा करते हुए रमन मित्तल, ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, हम फरवरी 2025 में शानदार 10,493 कुल ट्रैक्टर बिक्री दर्ज करके उत्साहित हैं, जिससे हमने वाईटीडी फरवरी 2025 में अब तक की सर्वाधिक घरेलू बिक्री भी दर्ज की है और उद्योग के प्रदर्शन को पीछे किया है। सोनालीका ने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि फसल पैदावार बढ़ाने हेतु हमारी उन्नत कृषि तकनीक सभी भौगोलिक क्षेत्रों और अनुप्रयोगों में सर्वश्रेष्ठ से बेहतर प्रदर्शन करती रहे। हमारा बुनियादी मूल्य सभी हितधारकों के लिए समावेशी विकास है, जिसके द्वारा हम किसानों के लिए एक ऐसा भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो इनोवेशन और विकास से समृद्ध हो।

करण औजला सोनी इंडिया से जुड़े, ऑडियो अनुभव को और बेहतर बनाएंगे

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। सोनी इंडिया ने आज प्रसिद्ध म्यूजिक सेलेब्रिटी करण औजला को अपने ऑडियो उत्पाद श्रेणी के लिए नया ब्रांड एंबेसडर घोषित किया, जिससे उपभोक्ताओं को संगीत का शुद्धतम रूप में आनंद लेने के लिए प्रीमियम साउंड एक्सपीरियंस प्रदान करने की उसकी प्रतिबद्धता को बल मिला। करण औजला की विशेषता वाला कैंपेन आज लाइव हो गया है, जो विभिन्न डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, आउटडोर एक्टिवेशन और रिटेल उपस्थिति पर बहुआयामी प्रचार कैंपेन की शुरुआत है। सोनी इंडिया के ऑडियो ब्रांड एंबेसडर करण औजला ने कहा, संगीत मेरी यात्रा के केंद्र में रहा है, और इसे जिस तरह से बनाया जाना चाहिए, उसे बनाने और अनुभव करने के लिए सही साउंड का होना आवश्यक है। शीर्ष-गुणवत्ता वाला ऑडियो देने के लिए सोनी की प्रतिबद्धता संगीत के प्रति मेरे जुनून और मेरे विश्वास किए जाने वाले मानकों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। सोनी वर्षों से मेरी संगीत यात्रा का हिस्सा रहा है, और मैं एक ऐसे ब्रांड के साथ सहयोग करने के लिए रोमांचित हूं जो दर्शकों तक शक्तिशाली, उच्च-गुणवत्ता वाली साउंड लाने के मेरे दृष्टिकोण को साझा करता है। सोनी इंडिया के प्रबंध निदेशक सुनील नैयर ने नई साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, सोनी इंडिया शीर्ष-स्तरीय ऑडियो उत्पाद प्रदान करने के लिए समर्पित है जो देश भर में और उसके बाहर संगीत प्रेमियों के साथ प्रतिध्वनित होते हैं। हम ऑडियो श्रेणी के लिए अपने नए ब्रांड एंबेसडर के रूप में करण औजला का स्वागत करते हुए उत्साहित हैं। उनकी वैश्विक अपील, दर्शकों के साथ मजबूत संबंध और उच्च गुणवत्ता वाले साउंड के लिए जुनून, उन्हें इस सहयोग के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य संगीत के अनुभव के तरीके को बढ़ाना है, ऐसी इमर्सिव साउंड प्रदान करना जो वास्तव में हर जगह प्रशंसकों से जुड़ती है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सोनी इंडिया यूएलटी पावर साउंड सब-ब्रांड के तहत अपने पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है, जिसे 2024 में लॉन्च किया गया था। यूएलटी पावर साउंड संगीत प्रेमियों के लिए बनाया गया है, जो शक्तिशाली, डीप साउंड उत्पन्न करता है जिसे आपके दिल की धड़कन बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। यूएलटी उत्पादों में प्रीमियम हेडफ़ोन और वायरलेस स्पीकर शामिल हैं जिन्हें नाईस कैंसिलेशन ,गहरे बास और उच्च स्पष्टता जैसी उन्नत साउंड तकनीकों के माध्यम से एक इमर्सिव अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यूएलटी उत्पादों को मिली प्रतिक्रिया जबरदस्त रही है, जिसमें साल-दर-साल 2ग् की वृद्धि हुई है।

ओरल हेल्थ की शिक्षा को बढ़ावा दे रहा सेंसोडाइन

नई सोच एक्सप्रेस

मुजफ्फरपुर। सेंसोडाइन ने भारत में ओरल केयर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बहुत बड़ी कामयाब कोशिश की। 24 घंटे में सबसे ज्यादा ऑनलाइन डेंटल स्क्रीनिंग टेस्ट पूरे कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। महाकुंभ 2025 में आयोजित इस पहल में लगभग 27,000 से ज्यादा लोगों ने डेंटल चेकअप कराया। किशले सेठ, कैटेगरी लीड, ओरल हेल्थ, हेलियोन इंडिया सबकॉन्टिनेंट ने बताया कि रिकॉर्ड-ब्रेकिंग इवेंट की सफलता के बाद सेंसोडाइन अब सभी के लिए फ्री डिजिटल डेंटल चेक-अप की सुविधा लाया है, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग आसानी से उनकी ओरल हेल्थ की जांच कर सकें। डॉ. अशोक ढोबले, ऑनरेबल सेक्रेटरी जनरल हेड, इंडियन डेंटल एसोसिएशन ने कहा कि है। यह कोशिश न केवल लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर पहला कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है, बल्कि समय पर पहचान कर उसके लिए कदम लेने की अहमियत को भी उजागर करता है। आने वाले दिनों में सेंसोडाइन एक विस्तृत मल्टीमीडिया रणनीति शुरू करेगा, जिसमें डिजिटल कैंपेन, इंफ्लुएंसर कोलैबोरेशन, स्पॉटिफाई इंटीग्रेशन और टीवी, रेडियो व प्रिंट पर कवरेज शामिल होंगे। इनका लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को उनकी ओरल हेल्थ के लिए कदम उठा कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इसके अलावा, ब्रांड पूरे देश में डेंटल वैन लॉन्च करेगा और साथ ही कॉरपोरेट हेल्थ कैंप आयोजित करेगा, जिससे लोगों को ओरल हेल्थकेयर की बेहतर सुविधा मिल सके।

इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में महिलाओं और सहयोगियों का सम्मान करता है

नई सोच एक्सप्रेस

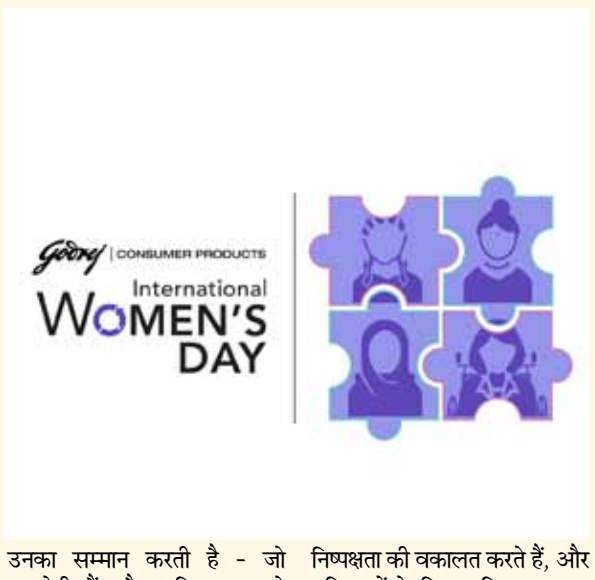

पटना। उभरते बाजार की अग्रणी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल), न केवल सिद्धांत रूप में, बल्कि सार्थक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्रवाई के माध्यम से एक समान कार्यबल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के लिए, जीसीपीएल ने 'वुमेनएलीः एलाइज़ इन एक्शन' की शुरुआत की है, जो एशिया (भारत, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, श्रीलंका, यूएई), अफ्रीका (दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, केन्या, घाना) और लैटिन अमेरिका (अर्जेंटीना और चिली) जैसे भौगोलिक क्षेत्रों में एक महीने की पहल है। यह पहल संगठन के भीतर और बाहर के व्यक्तियों को पहचानती है और उनका सम्मान करती है - जो सहयोगी हैं और सक्रिय रूप से समावेशिता की वकालत करते हैं, निष्पक्षता की वकालत करते हैं, और महिलाओं के लिए अधिक सहायक और गतिशील कार्यस्थल में योगदान करते हैं। जीसीपीएल के पास चार मंच हैं जहां कंपनी महिलाओं के संबंध में सकारात्मक प्रयासों पर अपना रुख दोहराएगी। जीसीपीएल बिक्री में लैंगिक बाधाओं को तोड़ने पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म पेश करेगी; सहयोगिता पर विनिर्माण स्थल-आधारित पैनल चर्चा; गोदरेज वन में वूमेनअलाय कार्यक्रम; मुंबई और एफएमसीजी-बिक्री में सबसे कठिन कार्यों में से एक में महिलाओं की भागीदारी को स्वीकार करने के लिए एक पारिवारिक आउटरीच पहल। कंपनी प्रभाव को भी उजागर करेगी और अगले साल के अपने दो प्रमुख कार्यक्रमों के चार्टर - गोदरेज की शक्ति (विनिर्माण भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की पहल) और आरंभ (बिक्री में भूमिकाएं लेने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बनाया गया कार्यक्रम) को पेश करने के अवसर का उपयोग करेगी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पहल पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एचआर ग्लोबल चीफ वैभव राम ने कहा, "जीसीपीएल में, सहयोगी के प्रति हमारा दृष्टिकोण संयुक्त राष्ट्र द्वारा रेखांकित व्यापक स्तंभों - सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए - अधिकार, समानता और सशक्तिकरण से काफी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। ये स्तंभ एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन करते हैं जहां हर व्यक्ति, लिंग, पृष्ठभूमि या भूमिका की परवाह किए बिना, फल-फूल सकता है। चाहे वह सहकर्मी हों, परिवार, दोस्त, बाहरी कार्य भागीदार हों, ये सहयोगी कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के लिए एक समावेशी और न्यायसंगत कार्यस्थल को बढ़ावा देने, पूर्वाग्रहों को चुनौती देने और ऐसे स्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जहां हर कोई मूल्यवान और सशक्त महसूस करता है। विनिर्माण और बिक्री में महिलाओं की भागीदारी का समर्थन करने के लिए गोदरेज की शक्ति और आरंभ जैसी हमारी पहल क्रमशः जीसीपीएल के भीतर और बाहर सहयोगियों के समर्थन के कारण सफल हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, हम उन सहयोगियों की गहराई से सराहना करते हैं और उन्हें स्वीकार करते हैं जिन्होंने एक ऐसे माहौल को बढ़ावा देने में योगदान दिया जहाँ महिलाएँ सुनी जाती हैं, मूल्यवान महसूस करती हैं और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए सशक्त होती हैं।"

'श्रीगुरु पादुका दर्शन उत्सव' इस साल मुंबई में, सीएम देवेन्द्र फड़नवीस द्वारा होगा उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई। 21 संतों और सद्गुरु की पादुकाओं के एक साथ दर्शन का समारोह 'श्रीगुरु पादुका दर्शन उत्सव' इस वर्ष 8 और 9 मार्च को मुंबई में आयोजित किया जाएगा। यह भक्ति महाकुंभ वर्ली में 'नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया' के गुंबद में आयोजित किया जाएगा। भारत में एक समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक वैभव है। हमारे संतों और सद्गुरुओं ने परंपरा को कायम रखते हुए समाज के सर्वांगीण उत्थान का मार्ग दिखाया। हमें एक सशक्त, स्वस्थ एवं समृद्ध समाज के निर्माण का मार्ग दिखायें। आध्यात्मिक पथ पर चलने का निर्णय लेते हुए गुरु के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए 'श्रीगुरु पादुका दर्शन उत्सव' का आयोजन किया जाता है। प्रवेश सभी के लिए निःशुल्क है लेकिन पंजीकरण अनिवार्य है। एपी ग्लोबले के अध्यक्ष अभिजीत पवार ने कहा,"यह कार्यक्रम भक्तों को पवित्र पादुकाओं के एक साथ दर्शन करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम सभी को असीमित आध्यात्मिक शक्ति और सामूहिक भक्ति से सशक्त बनाता है। माननीय के साथ-साथ. इस पहल का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस करेंगे। इस अवसर पर प्रह्लादा पई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। रविवार 9 मार्च को आध्यात्मिक मार्गदर्शक, वक्ता, लेखक, शिक्षाविद् और श्री एम सत्संग फाउंडेशन के प्रमुख पद्म भूषण श्री एम का व्याख्यान आयोजित किया गया है।,'' इस अनूठे और पवित्र आयोजन में आध्यात्मिक उन्नति और सांस्कृतिक संवर्धन के लिए 'एपी ग्लोबल' द्वारा 'भक्ति-शक्ति व्यासपीठ' की घोषणा की जाएगी। पिछले साल, भक्तों को आध्यात्मिक आनंद और मन की शांति की अनुभूति कराने वाले इस अनूठे समारोह को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। ताल-मृदंगों की ध्वनि, निरंतर हरिनाम का जाप, अभंगों की धुन, डिंडी-रिंगना से आनंदमय बना माहौल, इस भक्ति समारोह को एक अलग ऊंचाई पर पहुंचा रहा है। संतों और श्री गुरु के चरणों के दर्शन कर हर भक्त की आंखों में कृतज्ञता और संतुष्टि का भाव भर आया। भक्तों को एक बार फिर वही अनुभव देने के लिए महोत्सव का आयोजन किया जाता है। महोत्सव के दौरान भक्तों को संतों और श्रीगुरु के चरणों के दर्शन का सुनहरा अवसर मिलेगा। इसके साथ ही महोत्सव में आध्यात्मिक गुरुओं का मार्गदर्शन, भजन, कीर्तन, रिंग सेरेमनी, नमस्मरण, ओंकार जप आदि कार्यक्रम भी होंगे। संतों और गुरुओं के चरण दर्शन का अवसर - संत ज्ञानेश्वर, संत मुक्ताई, संत नामदेव, संत जनाबाई, संत नरहरि सोनार, संत सेना महाराज, संत सावता माली, संत एकनाथ, संत तुकाराम, संत निलोबा राई, श्री महेश्वरनाथ बाबाजी, श्री स्वामी समर्थ, श्री साईबाबा, श्री गजानन महाराज (शेगांव), समर्थ रामदास स्वामी, टेम्बे स्वामी महाराज, गोंडावलेकर महाराज, शंकर महाराज, गुलवानी महाराज, गजानन महाराज (शिवपुरी), श्री गुरु डॉ. भक्तों के दर्शन के लिए बालाजी तांबे की पादुकाएं उपलब्ध रहेंगी।

साक्षी और सुमीत ने इंस्पायर्ड अवार्ड में लहराया अपना परचम

नई सोच एक्सप्रेस

कटिहार। जिले के कदवा प्रखंड अंतर्गत सुशीलाकृत आ. म. वि. नुनगरा के छात्र सुमीत कुमार एवम् छात्रा साक्षी ने वर्ष 2024 का जिला स्तरीय इंस्पायर्ड अवार्ड जीत कर विद्यालय का नाम रौशन किया है।प्रधानाध्यापक अशोक कुमार ने बताया कि साक्षी और सुमीत का कठिन परिश्रम का नतीजा है।श्री विश्वास का कहना है अध्येताओं का सर्वांगीण विकास ही इस विद्यालय का परम लक्ष्य है।सभी शिक्षक मनोयोग से अध्येताओं के अध्ययन में सहयोग का भाव रखते हैं तथा छात्रों को अपने जीवन के सर्वोपरि उद्देश्य हेतु प्रेरित करते हैं। नये नये प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के माध्यम से अध्येताओं को दिन प्रतिदिन रुबरु कराते हैं, ताकि अध्येताओं को कक्षा सापेक्ष ज्ञान की प्राप्ति हो सके। वहीं विजय कुशवाहा अनुशासन और साफ-सफाई के प्रति अध्येताओं को सजग करते है।शीतल कुमार ने बताया कि सुमीत और साक्षी के साथ साथ इस विद्यालय के छात्राओं ने डाईट में द्वितीय स्थान लाकर प्रशस्ति प्रमाण पत्र हाशिल किया था।जो विद्यालय के लिए गौरव की बात है।चंदन कुमार ने बताया कि जब से अशोक बाबु इस विद्यालय योगदान लिए हैं। तब से नवाचार हेतु सभी अध्यापकों और अध्येताओं को प्रेरित करते रहते है।जिसका परिणाम है कि राज्यस्तरीय प्रशस्ति प्रमाण पत्र से प्रधानाध्यापक को सम्मानित किया गया है।

"ईको फ्रेंडली सोच, सबका अप्रोच" पर केन्द्रित वार्षिकोत्सव प्रियदर्शनी का दयाल सिंह महाविद्यालय में आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। दयाल सिंह महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव, प्रियदर्शनी का "व्योमः कला एवं संस्कृति समिति" द्वारा भव्य आयोजन किया गया। इस बार के आयोजन का विषय, "ईको फ्रेंडली सोच, सबका अप्रोच" था, जिसके माध्यम से सभी को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए प्रेरित किया गया। इस समारोह में महाविद्यालय की विभिन्न सांस्कृतिक समितियों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कला एवं संस्कृति की छवि प्रस्तुत की। कार्यक्रम का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि प्रो॰ राधेश्याम शर्मा, संयुक्त निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ क्लाइमेट चेंज और सस्टेनेबिलिटी, दिल्ली विश्वविद्यालय, श्री कमलजीत सिंह, उप महानिरीक्षक, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, श्री जितेश कुमार, सहायक आयुक्त, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं दयाल सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो॰ विनोद कुमार पालीवाल जी ने दीप प्रज्वलित करके किया, जिसके पश्चात भारतीय संस्कृति की झलक दिखी और विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। वार्षिकोत्सव के उद्घाटन समारोह में उत्तर-पूर्वी राज्यों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य, विशेष आकर्षण रहा, जिसमें छात्रों ने पारंपरिक परिधानों में सांस्कृतिक विविधता को प्रस्तुत किया। इस मौके पर प्रो॰ पालीवाल जी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी को प्रयास करना चाहिए। देश के सभी नागरिक सतत विकास के विभिन्न आयामों हेतु अपना योगदान दें और अंत में, प्राचार्य जी ने सभी छात्रों, प्रध्यापकों, गैर शैक्षणिक स्टाफ एवं समस्त दयाल सिंह महाविद्यालय परिवार को वार्षिकोत्सव के सफल आयोजन की अग्रिम शुभकामनाएँ दीं। 5 और 6 मार्च को दयाल सिंह महाविद्यालय की विभिन्न समितियों द्वारा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में कई प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का भव्य आयोजन कराया गया। व्योम, कला और संस्कृति समिति के अंतर्गत आने वाली समितियाँ जैसे कि स्पिल्ड इंक, रूट्स, रेजोनेंस, जामिनी, अस्तित्व, कॉग्निशियो, जेस्ट, एक्स्पोज़र, रूद्र, ग्लैमरार्टी और एन्क्वीज़ोन ने कई प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के कई महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया और मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियाँ दीं। इस वर्ष प्रियदर्शिनी 2025 में कई कलात्मक प्रस्तुतियों के द्वारा सामाजिक और पर्यावरण से संबंधित संदेश भी दिए गए। मौके पर प्रो॰ नवनीत मानव, व्योमः कला एवं संस्कृति समन्वयक डॉ अल्का शर्मा, डॉ विजय कुमार वर्मा, श्री मधुरेंद्र सिंह, डॉ मौमिता सरकार, डॉ सिमरन चड्ढा, डॉ उमा शर्मा, डॉ केदार कुमार मंडल आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और प्रध्यापकों ने भाग लिया और वार्षिकोत्सव का उत्साहपूर्वक आनंद लिया।

श्रीलेदर्स ने नवादा में नए शोरूम के साथ बिहार में अपना विस्तार किया

नई सोच एक्सप्रेस

नवादा। 72 वर्षों से भारतीय फुटवियर उद्योग में एक सम्मानित नाम, श्रीलेदर्स ने अपने नए शोरूम का शुभारंभ नवादा के केंदुआ बाईपास, श्री राम प्रदूषण के निकट किया। इस मौके पर श्रीलेदर्स कंपनी के सौरव विश्वास, रॉकी डे, नवादा श्रीलेदर्स शोरुम के संचालक आशीष गौरव और संजय कुमार चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने नए शोरूम के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी जताई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्रीलेदर्स के सौरव विश्वास ने कहा कि यह नया शोरूम झारखंड, बिहार, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश में अपने कई स्टोरों के सफल लॉन्च के बाद आया है, जिससे इस क्षेत्र और उससे आगे भी श्रीलेदर्स की उपस्थिति मजबूत हुई है। जबकि रॉकी डे ने बताया कि नए शोरूम में विश्व स्तरीय जूते, चमड़े के सामान, बैग, यात्रा बैग, खेल के जूते और सक्रिय कपड़ों की एक विस्तृत श्रृंखला अद्वितीय कीमतों पर उपलब्ध होगी। श्रीलीदर्स की नवीनतम श्रेणी, एसएल प्रीमियम, को खुदरा और ऑनलाइन दोनों ग्राहकों से अच्छी समीक्षा मिली है। नवादा श्रीलेदर्स शोरुम के संचालक आशीष गौरव और संजय कुमार चौधरी ने कहा कि नवादा के नए शोरूम में 1499 रुपए की खरीदारी करने वाले पहले 750 ग्राहकों को श्रीलेदर्स ब्रांड का एक हैंड बैग फ्री मिलेगा, इसके साथ ही 7 मार्च से 9 मार्च तक लकी ड्रॉ में शामिल होने वाले ग्राहकों में से किसी एक विजेता ग्राहक को प्रतिदिन एक फ्रीज ईनाम में मिलेगा। लॉन्चिंग को लेकर पार्टनर शेखर डे ने कहा कि हम अपनी फ्रेंचाइजी को उत्पाद वितरित करने से पहले गुणवत्ता और ग्राहक स्वीकार्यता को प्राथमिकता देते हैं। वहीं पार्टनर और तीसरी पीढ़ी के परिवार के सदस्य सुशांतो डे ने भविष्य के विकास के लिए ब्रांड के दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदर्शन-आधारित स्पोर्ट्स जूतों पर ध्यान केंद्रित करना है। हमारे ग्राहकों के लिए जेब के अनुकूल कीमतें सुनिश्चित करते हुए विश्व स्तरीय गुणवत्ता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट रहेगी। एसएल स्पोर्ट्स ब्रांड एक्टिव वियर और स्पोर्ट्स जूतों की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। नवादा शोरूम के अलावा, श्रीलेदर्स पूर्वी भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करते हुए बिहार और उड़ीसा के कुछ और शहरों में अपने शोरूम खोलने के लिए तैयार है।

महिलाओं के लिए सुख की परिभाषा बदलने वाली महिला

आरती कुमारी

1929 में अमेरिका के विचिटा में जन्मी बेट्टी डॉडसन (पीएच.डी.) ऐसे दौर में बड़ी हुईं जब खुले रूप से यौन विषयों पर चर्चा करना लगभग वर्जित था। एक रूढ़िवादी परिवार में पली-बढ़ी बेट्टी ने जल्द ही समझ लिया कि इच्छा और आत्म-संतोष से जुड़े प्रश्नों का उत्तर या तो चुप्पी से दिया जाता है या फिर डांट-फटकार से। कंसास के विचिटा में स्थित एक छोटे और पारंपरिक शहर में उनका बचपन बीता, जहाँ उन्होंने बचपन से ही चित्रांकन और पेंटिंग के प्रति गहरी रुचि विकसित कर ली। 18 वर्ष की उम्र तक पहुँचते-पहुँचते वह फैशन इलस्ट्रेटर के रूप में अपने परिवार की आमदनी में योगदान देने लगी थीं। 1950 में न्यूयॉर्क जाने के बाद, डॉडसन ने आर्ट स्टूडेंट्स लीग ऑफ न्यूयॉर्क में प्रसिद्ध चित्रकार फ्रैंक जे. राइली के मार्गदर्शन में अध्ययन किया और फिगर ड्राइंग में अपने कौशल को निखारा। न्यूयॉर्क में उनके शुरुआती वर्ष कला संबंधी प्रयासों से भरे रहे—उन्होंने दीर्घाओं में कामुक कला का प्रदर्शन किया और एक चित्रकार के रूप में अपनी प्रतिभा को संवारा। हालाँकि उनकी कामुक कला को मुख्यधारा में अधिक स्थान नहीं मिला, लेकिन उन्होंने पारंपरिक तकनीकों को साहसिक रूप से महिला यौन अभिव्यक्ति के चित्रण के साथ जोड़ा। जैसे-जैसे वह शहर के रचनात्मक और वैकल्पिक सांस्कृतिक वातावरण में गहरी उतरती गईं, उन्होंने महिलाओं पर थोपे गए कठोर सामाजिक मानकों पर भी सवाल उठाने शुरू कर दिए। उनकी प्रदर्शित कलाकृतियाँ मानवीय शरीर का निर्भीक उत्सव थीं, ऐसे समय में जब इस तरह की चित्रकारी को प्रायः सेंसर कर दिया जाता था। आगे चलकर उनकी कलात्मक दृष्टि और यौन शिक्षा का संगम हुआ, जहाँ उन्होंने रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से महिला शरीर संरचना और यौनता को समझने और उसे सहज रूप से स्वीकारने का प्रयास किया उन्होंने एक विज्ञापन कार्यकारी से विवाह किया, लेकिन यौन असंगति के कारण यह रिश्ता तलाक में समाप्त हुआ। 20वीं सदी के मध्य के अमेरिका में, विशेष रूप से महिलाओं के लिए, तलाक समाज में एक बड़ा कलंक माना जाता था। कामुक विषयों पर केंद्रित एक कलाकार के रूप में डॉडसन का करियर 1960-70 के दशक के पुरुष-प्रधान कला जगत से टकराव में रहा, जहाँ उनकी कला को गंभीरता से नहीं लिया गया और इसे अश्लीलता की श्रेणी में रखा गया। इसके अलावा, उनका प्रतिनिधानात्मक (रियलिस्टिक) चित्रण उस दौर के अमूर्त (एब्स्ट्रैक्ट) कला प्रवृत्तियों से मेल नहीं खाता था, जिससे उनकी पहचान सीमित हो गई। जब उनका कला करियर अस्थिर होने लगा, तो उन्होंने स्वतंत्र रूप से अंतर्वस्त्र इलस्ट्रेटर के रूप में काम किया। यह काम उन्हें रचनात्मक रूप से संतोषजनक नहीं लगा, लेकिन जीविका चलाने के लिए आवश्यक था। अंतर्वस्त्र विज्ञापनों के अलावा, उन्होंने बच्चों की किताबों के लिए चित्र बनाए और 1960 के दशक में एस्क्वायर और प्लेबॉय जैसी पत्रिकाओं के लिए भी काम किया। हालाँकि, बाद में उन्होंने प्लेबॉय की आलोचना की, यह कहते हुए कि पत्रिका महिलाओं को पुरुषों की नजर से वस्तु के रूप में प्रस्तुत करती थी। 1960 के दशक के मध्य में तलाक के बाद, उन्होंने "यौन आत्म-खोज" की यात्रा शुरू की—एक ऐसा प्रयास जिससे वह उन सुखों को समझने और पुनः पाने की कोशिश कर रही थीं जिन्हें लंबे समय तक नकारा या दबाया गया था। उनकी यात्रा एक पारंपरिक, यौन-विहीन विवाह से लेकर आत्म-खोज के लिए समर्पित जीवन तक फैली हुई थी—जो उनकी कहानी का कम चर्चित, लेकिन बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। व्यक्तिगत रूप से यौन दमन और सामाजिक आलोचना का सामना करने के अनुभव ने उनके अंदर यौन स्वतंत्रता के प्रति आजीवन समर्पण की भावना पैदा की, जो आगे चलकर उनके जीवन का केंद्रीय उद्देश्य बन गया। बेट्टी डॉडसन के व्यक्तिगत संघर्षों ने अंततः उन्हें बॉडीसेक्स नामक कार्यशालाओं की श्रृंखला बनाने के लिए प्रेरित किया—जिसने महिलाओं की यौनता को देखने और अनुभव करने के तरीके को नए सिरे से परिभाषित किया। इन कार्यशालाओं में डॉडसन ने कहानी कहने की तकनीक का उपयोग करके महिलाओं को यौन शर्म से मुक्त होने में मदद की। ये सत्र महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और गैर-आलोचनात्मक स्थान प्रदान करते थे, जहाँ वे अपने शरीर को सहजता से खोज सकती थीं और किसी अपराधबोध के बिना चरमसुख को अपना सकती थीं। डॉडसन के इस नवाचार में भगशेफ (क्लिटोरल) उत्तेजना, एक हिटाची मैजिक वैंड (वाइब्रेटर), योनि प्रवेश के लिए एक विशिष्ट धातु का रेस्टिंग डिल्डो, सचेत श्वास (कांशस ब्रीदिंग), और श्रोणि (पेल्विक) गति को शामिल किया गया—जो आत्म-संतोष को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। वैज्ञानिक शोधों ने उनकी इस विधि को मान्यता दी है, जिसमें पाया गया कि पहले कभी चरमसुख (ओर्गैज़्म) न प्राप्त कर पाने वाली 93% महिलाओं ने उनकी तकनीक को अपनाकर इस सुख को प्राप्त किया। महिलाओं को अपने शरीर को समझने और प्रेम करने की शिक्षा देकर, डॉडसन ने उन्हें उन सामाजिक ताकतों का विरोध करने के लिए सशक्त किया जो महिला यौनता को नियंत्रित करने की कोशिश करती हैं। अनेक महिलाओं को ये बचपन से सिखाया जाता था, कि स्वयं को छूना ये छिपाने योग्य या यहाँ तक कि निंदनीय कार्य है। डॉडसन ने महसूस किया कि यह आत्मसात की गई शर्म यौन स्वतंत्रता की सबसे बड़ी बाधाओं में से एक थी। अपने अतीत का सामना करके और अपनी इच्छाओं को पूर्ण रूप से अपनाकर, उन्होंने अनगिनत महिलाओं के लिए एक उदाहरण स्थापित किया। उनकी कार्यशालाएँ केवल तकनीकों को सीखने तक सीमित नहीं थीं; वे एक पूरी उम्र के आत्म-दमन को तोड़ने और गरिमा एवं स्वायत्तता को पुनः प्राप्त करने की प्रक्रिया थीं। आत्म-संतोष से जुड़े भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक लाभों पर उनकी खुली बातचीत उन महिलाओं के साथ गहराई से जुड़ी, जो पारंपरिक यौन शिक्षा से स्वयं को लंबे समय से उपेक्षित और अलग-थलग महसूस कर रही थीं। डॉडसन का मानना था कि हस्तमैथुन कोई एकांत में किया जाने वाला और शर्मनाक कार्य नहीं है, बल्कि यह आत्म-देखभाल (सेल्फ-केयर) का एक स्वाभाविक और सशक्त रूप है। अपनी शिक्षाओं के माध्यम से, उन्होंने महिलाओं को यह समझाने का प्रयास किया कि उनके शरीर केवल बाहरी नियंत्रण का साधन नहीं हैं, बल्कि आनंद और शक्ति के स्रोत हैं। एक ऐसे समाज में जहाँ महिला यौनता को कठोर नियमोंसे बाँधा गया था और अपराधबोध से ढका गया था, डॉडसन की हस्तमैथुन, चरमसुख और आत्म-प्रेम पर खुली चर्चाएँ क्रांतिकारी और खतरनाक मानी गईं। चर्च के ईसाई और पितृसत्तात्मक मूल्यों में डूबे अमेरिका कि मुख्यधारा में लंबे समय तक यही माना गया था कि सेक्स केवल विवाह के भीतर और संतानोत्पत्ति के उद्देश्य से ही होना चाहिए। इस संकीर्ण दायरे से बाहर जाने वाली किसी भी चीज़ को संदेह की दृष्टि से देखा जाता था। सामाजिक मान्यताओं और पितृसत्तात्मक संस्थानों से संघर्ष के अलावा, डॉडसन की यात्रा एक व्यक्तिगत लड़ाई भी थी—उस शर्म के खिलाफ, जिसे सांस्कृतिक दमन ने महिलाओं के भीतर गहराई तक जड़ें जमाने दी थीं। अपने साक्षात्कारों में, उन्होंने अक्सर उन अपराधबोध और आत्म-संदेह के अनुभवों को साझा किया, जिनका सामना उन्होंने अपने यौन जागरण के शुरुआती वर्षों में किया था। नारीवादी हलकों में भी डॉडसन की कार्यशालाएँ कभी-कभी विवाद का विषय बनीं। जब उन्होंने 1970 के दशक की शुरुआत में बॉडीसेक्स कार्यशालाएँ आयोजित करनी शुरू कीं, तो नारीवादी संगठनों ने भी उसपर टिप्पणियाँ कीं। आलोचकों ने प्रश्न उठाए कि क्या सार्वजनिक रूप से हस्तमैथुन प्रदर्शित करना और कामुक आनंद पर खुली चर्चा करना नारीवादी राजनीतिक विचारधारा के अनुरूप हो सकता है। इस पर प्रतिक्रियाएँ मिश्रित रहीं—कुछ ने उन्हें मुक्ति की प्रतीक माना, जबकि अन्य ने उनके कार्य को सतही या सभ्य समाज के लिए बहुत अधिक क्रांतिकारी करार दिया। हालाँकि डॉडसन नारीवाद के साथ खड़ी थीं, लेकिन यौन आनंद और वाइब्रेटर पर आधारित उनकी कार्यशालाएँ उस नारीवादी धड़े से टकराती रहीं जो पोर्नोग्राफी और खुले यौन चित्रण को शोषणकारी मानता था। 1973 में नेशनल ऑर्गनाइज़ेशन फॉर वीमेन (NOW) के एक सम्मेलन में जब उन्होंने योनि (वुल्वा) पर आधारित स्लाइड शो प्रस्तुत किया, तो लोगों ने नकारात्मक प्रतिक्रिया में फुसफुसाहट और तानों से प्रतिक्रिया दी, लेकिन उनके वाइब्रेटर प्रदर्शन को कुछ समर्थन भी मिला। मुख्यधारा के समाज ने उनके कार्य को अनैतिक मानकर खारिज कर दिया। हस्तमैथुन को बढ़ावा देना—जो एक वर्जित विषय था—उन सामाजिक मानकों को चुनौती देता था जो महिला यौनता को केवल विवाह और संतानोत्पत्ति से जोड़कर देखते थे। उनकी पहली पुस्तक लिबरेटिंग मास्टरबेशन (1973) को मुख्यधारा के प्रकाशकों ने अस्वीकार कर दिया, जिससे उन्हें इसे स्वयं प्रकाशित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। यहाँ तक कि जब सेक्स फॉर वन (1987) एक बेस्टसेलर बनी, तब भी इसकी सामग्री को सेंसरशिप और "विशेष वर्ग के लिए" या "अशोभनीय" बताकर खारिज कर दिया गया। हस्तमैथुन के ध्यान-संबंधी प्रभावों पर उनके ईईजी (EEG) अध्ययन—जो उन्होंने स्वयं पर किया—को उस चिकित्सा जगत ने दरकिनार कर दिया, जिसने ऐतिहासिक रूप से महिलाओं के यौन स्वास्थ्य को नज़रअंदाज़ किया था। उस दौर के अश्लीलता कानूनों के चलते उनकी कार्यशालाएँ और स्पष्ट सामग्री कानूनी चुनौतियों के दायरे में भी आईं। उन्हें संस्थागत समर्थन की कमी झेलनी पड़ी, जिससे उनके प्रचार-प्रसार का मुख्य माध्यम जमीनी स्तर की गतिविधियाँ बनीं, जैसे कार्यशालाएँ और प्रत्यक्ष बिक्री। हालाँकि उनका कार्य विकलांग महिलाओं को भी शामिल करने के उद्देश्य से था, लेकिन हाशिए पर मौजूद समूहों की यौनता की व्यापक सामाजिक उपेक्षा के कारण इसकी पहुँच सीमित रही। ये बात सही है कि एक श्वेत महिला होने के नाते उन्हें कुछ सामाजिक विशेषाधिकार मिले, लेकिन उन्होंने पितृसत्तात्मक व्यवस्था से जूझना जारी रखा। फिर भी, डॉडसन अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटीं। उन्होंने अपनी विधियों को लिबरेटिंग मास्टरबेशनः ए मेडिटेशन ऑन सेल्फ-लव और सेक्स फॉर वनः द जॉय ऑफ सेल्फ-लविंग जैसी पुस्तकों में प्रलेखित किया, जो अंतरराष्ट्रीय बेस्टसेलर बनीं और दर्जनों भाषाओं में अनूदित की गईं। डॉडसन ने कई आत्मकथाएँ भी लिखीं—जैसे माय रोमांटिक लव वॉर्स और सेक्स बाय डिज़ाइन—जो उनके व्यक्तिगत संघर्षों, उनकी कलात्मक यात्रा और यौन स्वतंत्रता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इन पुस्तकों ने न केवल हस्तमैथुन के विषय को रहस्यमुक्त किया, बल्कि महिलाओं को दशकों की दमनकारी यौन शिक्षा से मुक्त होने का एक ठोस मार्ग भी प्रदान किया। इस प्रक्रिया में, डॉडसन ने प्रभावी रूप से इस धारणा को नया रूप दिया कि पुरुष-प्रधान समाज में यौन रूप से स्वायत्त महिला होने का वास्तव में क्या अर्थ है। डॉडसन ने अपनी सक्रियता के लिए पुस्तकों की बिक्री और कार्यशालाओं के माध्यम से धन जुटाया, लेकिन इस संघर्ष में उन्हें वित्तीय अस्थिरता का सामना करना पड़ा। उनका संघर्ष केवल सांस्कृतिक विरोध तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्हें संस्थागत ताकतों से भी लड़ना पड़ा, जो उनके कार्य को सेंसर करने या हाशिए पर डालने का प्रयास कर रही थीं। मुख्यधारा की मीडिया की रूढ़िवादिता से लेकर शैक्षणिक संस्थानों की कड़ी नीतियों तक, जब भी उन्होंने महिलाओं को उनके शरीर के बारे में शिक्षित करने का प्रयास किया, उन्हें नौकरशाही अड़चनों और कभी-कभी सीधी शत्रुता का सामना करना पड़ा। 1980 के दशक में, जब उन्होंने मेल-ऑर्डर के माध्यम से वाइब्रेटर बेचना शुरू किया, तो उन्हें डाक विभाग की कड़ी निगरानी झेलनी पड़ी। उन्होंने इन प्रतिबंधों से बचने के लिए वाइब्रेटरों को "मसाजर" के रूप में लेबल किया और उनके साथ शैक्षिक पुस्तिकाएँ जोड़ीं, ताकि इन्हें स्वास्थ्य उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। जब अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में उनकी कामुक कला को सीमा शुल्क अधिकारियों ने ज़ब्त कर लिया, तो उन्होंने अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (ACLU) के साथ मिलकर कलात्मक अभिव्यक्ति के अधिकारों के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी। फिर भी, डॉडसन अपने विचारों पर अडिग रहीं। उनका मानना था कि अपने शरीर को समझना सिर्फ एक व्यक्तिगत कार्य नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक नियंत्रण और दमन के खिलाफ एक राजनीतिक बयान भी है। उनका प्रसिद्ध कथन— "बेहतर चरमसुख, बेहतर दुनिया"—उन सभी के लिए एक नारा बन गया जो यह मानते थे कि यौन स्वतंत्रता, व्यक्तिगत और सामाजिक मुक्ति से अविभाज्य रूप से जुड़ी हुई है। डॉडसन के लिए, आत्म-संतोष का हर कार्य एक विद्रोह था; हर बार जब कोई महिला अपनी इच्छाओं को पूर्ण रूप से स्वीकार करती, तो वह उन दमनकारी संरचनाओं को कमजोर करती जो सदियों से महिलाओं को चुप और अधीन बनाए रखने के लिए बनाई गई थीं। डॉडसन के व्यक्तित्व का एक आकर्षक, लेकिन कम प्रलेखित पहलू था—उनका हास्य। चाहे कार्यशालाओं में अपने शरीर को "सबसे अच्छा दोस्त" कहकर परिचय देना हो या मुख्यधारा की नारीवादी पुस्तकों की हल्के-फुल्के अंदाज में आलोचना करना, उनकी चुटीली बुद्धि ने गहरी जमी हुई यौन शर्म को तोड़ने में मदद की। उनकी यह विनोदपूर्ण शैली उनकी शिक्षाओं को अधिक सुलभ बनाती थी और महिलाओं को यह एहसास दिलाती थी कि वे यौन दमन से जूझने में अकेली नहीं हैं। डॉडसन अपनी बेबाक और अक्सर हास्यपूर्ण आलोचनाओं के लिए जानी जाती थीं, चाहे वह पारंपरिक यौन दृष्टिकोण हो या मुख्यधारा की नारीवादी धारणाएँ। उन्होंने ईव एंसलर की द वैजाइना मोनोलॉग्स जैसी कृतियों की खुलकर आलोचना की, यह तर्क देते हुए कि वे कभी-कभी महिला यौनिकता को एक संकीर्ण, पुरुष-विरोधी दृष्टिकोण तक सीमित कर देती हैं। उनका मानना था कि बिना राजनीतिक हस्तक्षेप या नैतिकता के सरल निष्कर्षों के यौन अनुभवों को पूरी तरह से अपनाना चाहिए। पारंपरिक यौन शिक्षा में महिलाओं उपेक्षित पहलुओं कि स्पष्ट चर्चा करके आत्म-सुख के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक लाभों पर जोर दिया गयाs। डॉडसन का यह आग्रह कि हस्तमैथुन आत्म-प्रेम और पितृसत्तात्मक नियंत्रण के विरुद्ध प्रतिरोध का एक रूप है, आज भी यौन चिकित्सा और नारीवादी साहित्य में नई दृष्टिकोणों को प्रेरित करता है। शुरुवाती दिनों में महिलाओं के लिए शुरू कार्यशालाओं में समय के साथ उनके शारीरिक और भावनात्मक पहलुओं के अनुसार समलैंगिक महिलाओं और नॉन-बाइनरी महिलाओं पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। तृतीयपंथी या ट्रांसजेंडर लोगों पर उन्होंने काफी बाद में थोड़ा ध्यान दे सकीं और इन ट्रांस अनुभवों को पर्याप्त रूप से शामिल न करने की कमी को स्वीकार किया। युवा कार्यकर्ताओं से अपने कार्य को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। 1980 और 1990 के दशक के दौरान, उन्होंने एलजीबीटीक्यू+ कार्यकर्ताओं के साथ सहयोग किया और सुरक्षित यौन संबंधों को बढ़ावा दिया। अपने लेखन में, उन्होंने कंडोम के उपयोग और पारस्परिक आनंद पर विशेष जोर दिया, ताकि यौन स्वतंत्रता के साथ-साथ सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। अपने 70वें और 80वें दशक में, डॉडसन ने वृद्धावस्था में यौनिकता पर व्यापक रूप से लिखा, इस धारणा को खारिज करते हुए कि बढ़ती उम्र इच्छाओं को समाप्त कर देती है। उन्होंने वाइब्रेटर को न केवल आनंद का साधन, बल्कि श्रोणि स्वास्थ्य और यौन सक्रियता बनाए रखने के उपकरण के रूप में भी प्रचारित किया। मेनोपॉज, योनि के संकुचन और हार्मोनल परिवर्तनों (जैसे टेस्टोस्टेरोन क्रीम के उपयोग) पर उनकी खुली चर्चा ने वृद्ध महिलाओं के शरीर से जुड़े कई वर्जित विषयों को तोड़ा। डॉडसन ने पूंजीवाद द्वारा महिलाओं की असुरक्षाओं के शोषण की आलोचना की—चाहे वह सौंदर्य उद्योग हो या पोर्न से होने वाला व्यावसायिक लाभ। उन्होंने वित्तीय स्वतंत्रता को यौन मुक्ति का एक महत्वपूर्ण पहलू बताया। वियतनाम युद्ध के दौरान, उन्होंने विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया और अपने भाषणों में सैन्यवाद को पितृसत्तात्मक हिंसा से जोड़ा। उन्होंने यौन कार्य के अपराधीकरण का विरोध किया और सेक्स वर्करों व पोर्न कलाकारों के साथ सहयोग किया, ताकि आनंद और यौन राजनीति में उनके अनुभवों को मुख्यधारा की चर्चा का हिस्सा बनाया जा सके। डॉडसन ने 1990 के दशक में यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में बॉडीसेक्स सत्र आयोजित किए, जहां उन्होंने अपनी विधियों को सांस्कृतिक संदर्भों के अनुसार ढाला। स्वीडन में, उन्होंने यौन शिक्षकों के साथ मिलकर अपने कार्य को सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों का हिस्सा बनाने में सहयोग किया। हालांकि जापान में अश्लीलता संबंधी कड़े कानून थे, फिर भी उनकी पुस्तक Sex for One वहाँ की नारीवादियों के बीच गुप्त रूप से लोकप्रिय हुई और आत्म-आनंद पर आधारित भूमिगत समूहों को प्रेरित किया। डॉडसन ने इंटरनेट को जल्दी अपनाया—1999 में अपनी वेबसाइट लॉन्च की और हस्तमैथुन पर डाउनलोड करने योग्य मार्गदर्शिकाएँ उपलब्ध कराईं। उन्होंने ऑनलाइन समुदायों की प्रशंसा की क्योंकि इससे यौन शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाने में मदद मिली, लेकिन साथ ही उन्होंने एल्गोरिदम-आधारित पोर्न व्यसन के खतरों की चेतावनी भी दी। अपनी उम्र के 80वें दशक में, उन्होंने पर्यावरणीय क्षरण के यौन स्वास्थ्य पर प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त की, जैसे कि विषाक्त पदार्थों का प्रजनन क्षमता पर प्रभाव। उन्होंने सतत विकास और यौन कल्याण को जोड़ने वाली इको-सेक्सुअल पहलों को वित्तीय सहयोग दिया। उन्होंने सेक्स टॉय उद्योग में प्लास्टिक कचरे की आलोचना की और जैव-अवायवीय (biodegradable) उत्पादों व पुनः प्रयोज्य उपकरणों को बढ़ावा देने की वकालत की। COVID-19 महामारी के दौरान, उन्होंने बॉडीसेक्स सत्रों को ज़ूम पर स्थानांतरित कर दिया, जिससे यह वैश्विक स्तर पर अधिक पहुँच योग्य हुआ और उन्होंने ऑनलाइन सहभागिता के लिए उपयुक्त अभ्यास विकसित किए। अपनी प्रसिद्धि के बावजूद, डॉडसन ने एक सादगीपूर्ण जीवन जिया और न्यूयॉर्क के रेंट-स्टैबिलाइज़्ड अपार्टमेंट में रहीं, जहाँ उन्होंने विलासिता को अस्वीकार कर कम आय वाली महिलाओं के लिए कार्यशालाओं को वित्तीय सहयोग देने को प्राथमिकता दी। उन्होंने अपनी पुस्तकों और आयोजनों से होने वाली कमाई को अपने सहयोगियों के साथ समान रूप से बाँटा, जिससे पूंजीवादी मानदंडों को चुनौती दी और सक्रियतावाद में वित्तीय समानता का उदाहरण पेश किया।

बेट्टी डॉडसनः यौन शिक्षा और नारीवादी आंदोलन में क्रांतिकारी योगदान- बेट्टी डॉडसन के दूरदर्शी योगदान ने यौन शिक्षकों, कार्यकर्ताओं और कलाकारों की आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त किया, जो आज भी यौन विषयों पर पारंपरिक सीमाओं को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने जिन मूलभूत सिद्धांतों को बढ़ावा दिया, वे अब सेक्स-पॉजिटिव नारीवाद की नींव बन चुके हैं—एक ऐसा आंदोलन जो महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए यौन स्वतंत्रता को अनिवार्य मानता है। डॉडसन के प्रभाव को आधुनिक यौन शिक्षा पाठ्यक्रमों में देखा जा सकता है, जहाँ अब आनंद और सहमति पर चर्चाएँ शामिल की जा रही हैं। इसके अलावा, महिलाओं के अनुकूल सेक्स टॉयज़ के बाज़ार और महिला यौन इच्छाओं को केंद्र में रखकर लिखी गई साहित्यिक कृतियों के बढ़ते प्रसार में भी उनकी विरासत स्पष्ट रूप से झलकती है। बेट्टी डॉडसन मेथड की प्रभावशीलता को बार-बार वैज्ञानिक अध्ययनों ने प्रमाणित किया है। द साइंटिफिक वर्ल्ड जर्नल और PLOS ONE जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित कठोर शोध दर्शाते हैं कि उनकी समग्र दृष्टिकोण वाली पद्धति न केवल महिलाओं में कामोन्माद (orgasm) की दर को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाती है, बल्कि यौन दमन से संबंधित दीर्घकालिक समस्याओं को हल करने के लिए एक सशक्त मॉडल भी प्रस्तुत करती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉडसन की तकनीकों को संस्थानों और शिक्षकों द्वारा संदर्भित किया जाता रहा है, जिससे उनके कार्य की परिवर्तनकारी क्षमता और प्रासंगिकता को और अधिक बल मिलता है। उनका प्रभाव अकादमिक और लोकप्रिय दोनों स्तरों पर यौन स्वास्थ्य संबंधी चर्चाओं में एक प्रेरणादायक शक्ति बना हुआ है। समाज, संस्थानों और व्यक्तिगत संघर्षों का सामना करने के बावजूद, बेट्टी डॉडसन की अथक प्रयासों ने महिलाओं की यौनिकता पर होने वाली चर्चाओं को मौलिक रूप से बदल दिया। अपने स्वयं के आघात को एक आंदोलन में परिवर्तित करके, उन्होंने पीढ़ियों की महिलाओं को आत्म-प्रेम को अपनाने और प्रणालीगत शर्म से मुक्त होने का साहस दिया। उनका प्रसिद्ध मंत्र—"बेहतर कामोन्माद, बेहतर दुनिया"—इस विश्वास को दर्शाता है कि यौन स्वायत्तता केवल व्यक्तिगत कार्य नहीं, बल्कि सामूहिक मुक्ति का आधार भी है। डॉडसन के कार्यों ने पितृसत्तात्मक वर्जनाओं को चुनौती दी, नारीवादी असहमतियों का सामना किया और दमनकारी मान्यताओं को खंडित किया। जिससे भविष्य में इन विषयों पर वैश्विक स्तर पर बहसों और रिसर्च का रास्ता खुल सका। उनका कहना था कि, पितृसत्ता महिलाओं को उनके स्वयं के शरीर के बारे में अज्ञानता में रखकर लाभ कमाती है, और आत्म-आनंद को प्रतिरोध के एक रूप के रूप में प्रस्तुत किया। उनकी दृढ़ता ने असंख्य महिलाओं को अपने जीवन पर अधिकार पाने का सामर्थ्य दिया। उन्होंने उन वर्जनाओं को तोड़ा जो महिलाओं की इच्छाओं को नियंत्रित या उनका बाजारीकरण करने का प्रयास करते हैं। डॉडसन ने महिलाओं को उनके शरीर और सुख को समझने के उपकरण प्रदान किए, जिससे उन्होंने उन व्यवस्थाओं पर आघात किया जो महिला अधीनता पर आधारित थीं। उनकी जीवनभर की मेहनत यह दर्शाती है कि यौन मुक्ति न केवल एक व्यक्तिगत यात्रा है, बल्कि एक तरह मुक्तिगामी राजनीतिक संघर्ष भी है। डॉडसन का प्रभाव केवल पुस्तकों और कार्यशालाओं तक सीमित नहीं था। वह कई वृत्तचित्रों, टेलीविजन शो (जैसे नेटफ्लिक्स की द गूप लैब के एक चर्चित खंड) और साक्षात्कारों में दिखाई दीं, जहाँ उनकी बेबाक शैली और निर्भीक हास्य ने दर्शकों को आकर्षित किया। उनकी मीडिया उपस्थिति ने हस्तमैथुन, कामोन्माद और महिलाओं की यौन संतुष्टि पर होने वाली चर्चाओं को सामान्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी (NYU) के फेल्स लाइब्रेरी एंड स्पेशल कलेक्शंस में उनके लेखन, कार्यशाला नोट्स, कला और पत्र-व्यवहार संग्रहित किए गए हैं, जिससे शोधकर्ताओं के लिए उनकी विरासत संरक्षित रहे। बेट्टी डॉडसन'स बॉडीसेक्स (2016) और द पैशनेट लाइफ (2022) जैसी फिल्में उनके प्रभाव की गहराई को उजागर करती हैं, जिनमें उनके सहयोगियों और कार्यकर्ताओं के साक्षात्कार शामिल हैं। उनकी यह विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए यौन स्वतंत्रता और आत्म-स्वीकृति के आंदोलन को प्रेरित करती रहेगी। सेक्स एजुकेटर एनी स्प्रिंकल, कैरल क्वीन और डॉ. रूथ वेस्टहाइमर ने डॉडसन को अपना मार्गदर्शक माना। उन्होंने आवर बॉडीज, अवरसेल्व्स जैसी महत्वपूर्ण नारीवादी स्वास्थ्य पुस्तिका को भी प्रेरित किया। आज भी कार्यकर्ता, शिक्षक और विद्वान उनके कार्यों से प्रेरणा लेते हैं। सेक्स-पॉजिटिव नारीवाद और यौन स्वायत्तता पर चल रही चर्चाओं का एक बड़ा श्रेय उनकी निर्भीक कामों को जाता है। यौन स्वतंत्रता और यौन सामग्री के नियमन पर बहसें आज भी बहसें चल ही रही हैं और ऐसे में डॉडसन द्वारा उठाए गए प्रश्न प्रासंगिक हो जाते हैं।

क्या अमेरिका पूरी अर्थव्यवस्था पर कब्जा करना चाह रहा है

अशोक भाटिया, मुंबई

फिलहाल लगता तो ऐसा है कि अमेरिका दुनिया की पूरी अर्थव्यवस्था पर कब्जा करना चाह रहा है। आर्थिक दुनिया में इस बात की बहुत चर्चा है कि चीन पर अमेरिकी प्रतिबंध भारत, चीन, कनाडा और थाईलैंड को कैसे प्रभावित कर रहे हैं। वहीं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सोना एक लाख रुपये प्रति तोला की कीमत की ओर बढ़ रहा है। वहीं भारत-ब्राजील अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन को लगे झटके का असर भारत के स्टील सेक्टर पर भी पड़ा है। ट्रंप ने चीन को सबक सिखाने के लिए स्टील पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की। यह दर 12 मार्च से लागू होगी। इनकी धमकी का सबसे ज्यादा असर मेटल शेयरों पर पड़ा है। उनकी घोषणा के बाद इसके लागू होने की तारीख भी घोषित कर दी गई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का मेटल इंडेक्स 2.23 फीसदी गिरा है। सूचकांक 627.81 अंकों यानी 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ 27,526.08 पर बंद हुआ। हिंदुस्तान जिंक, जेएसएल, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी, एनएमडीसी, कोल इंडिया, वेदांता लिमिटेड, टाटा स्टील, एप्पल पोलो, जिंदल स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को के शेयरों में भारी गिरावट आई। भारत अमेरिका का शीर्ष इस्पात निर्यातक नहीं है। अमेरिका कनाडा, ब्राजील, मैक्सिको, दक्षिण कोरिया और वियतनाम से अधिकांश स्टील आयात करता है। इस बीच कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला बोला है। उन्होंने ट्रंप के ऊपर कनाडा को कब्जाने की योजना बनाने का आरोप लगाया है और वॉइट हाउस के टैरिफ हमले को इसी का हिस्सा बताया है। ट्रूडो ने मंगलवार 4 मार्च को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ युद्ध का उद्देश्य कनाडा की अर्थव्यवस्था को नष्ट करना है ताकि वह देश को अपने में मिला सकें। इसके पहले कनाडा के ट्रूडो प्रशासन ने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हमले पर पलटवार करते हुए अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने कनाडाई ऊर्जा आयात पर 10 प्रतिशत और अन्य सभी वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके कुछ घंटों बाद ही ओट्टावा ने सौंदर्य प्रसाधन, उपकरण, टायर, फल और शराब समेत 30 अरब कनाडाई डॉलर मूल्य के अमेरिकी आयातों पर तत्काल 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की। कनाडा ने कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर 21 दिनों के भीतर 125 अरब डॉलर मूल्य के अतिरिक्त आयात पर टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रूडो ने फेंटेनाइल ड्रग की तस्करी के ट्रंप के आरोपों पर भी जवाब दिया और कहा कि टैरिफ लगाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति फेंटेनाइल को बहाना बना रहे हैं। ट्रूडो ने इन आरोपों को 'पूरी तरह से फर्जी, पूरी तरह से अनुचित और पूरी तरह से झूठ' बताया। ट्रूडो ने कहा, ट्रंप जो चाहते हैं, वह हैं- कनाडा की अर्थव्यवस्था का पूरी तरह से पतन देखना। क्योंकि इससे हमें अपने साथ मिलाना आसान हो जाएगा। भारत के व्यापार मंत्रालय के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में अमेरिका को भारत के निर्यात में काफी गिरावट आई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, भारत ने 2022-23 की तुलना में अमेरिका को 47.68 प्रतिशत कम स्टील का निर्यात किया, जबकि लोहे और इस्पात के सामान के निर्यात में भी 9 प्रतिशत की गिरावट आई। यह गिरावट इस वित्तीय वर्ष में भी जारी है। यह है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक है; लेकिन भारत के विपरीत, यह अमेरिका के शीर्ष इस्पात आयातकों की सूची में नहीं है। स्टील चीन से दूसरे देशों में और वहां से अमेरिका में भेजा जाता है। ट्रम्प प्रशासन जानता है कि अगर स्टील पर टैरिफ लगाए जाते हैं, तो इसका सीधा असर चीन पर पड़ेगा। हालांकि भारतीय इस्पात क्षेत्र लंबे समय में मजबूत है, अल्पकालिक नुकसान से बचना मुश्किल है और आगे उतार-चढ़ाव का जोखिम बना हुआ है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक नीतियों में बदलाव बाजार के रुझान को प्रभावित करते हैं। वे करेंगे। टैरिफ वॉर का असर ग्लोबल इकोनॉमी पर पड़ सकता है। भारत, चीन और थाईलैंड जैसे उभरते बाजारों को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। ब्रोकरेज फर्म नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में बहुत अधिक प्रभावी टैरिफ दरें हैं। इसलिए वे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। भारत का अमेरिका से निर्यात की औसत दर 9.5 प्रतिशत है। भारत का अमेरिका को निर्यात तीन प्रतिशत शुल्क के अधीन है। थाईलैंड में 0.9 प्रतिशत बनाम 6.2 प्रतिशत का आंकड़ा है, जबकि चीन में 2.9 प्रतिशत बनाम 7.1 प्रतिशत है, और सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे देश, जिनके पास संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं, ट्रम्प के प्रतिशोधी टैरिफ के खतरे से अधिक सुरक्षित हैं। नोमुरा ने कहा कि भारत में उच्चतम निर्यात शुल्क दर है। भारत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बीच उच्चतम टैरिफ दर वाला देश है। इसलिए, भारत को ट्रम्प की टैरिफ दर में वृद्धि का बड़ा खतरा है। दुनिया भर में भारत के निर्यात का 18% अमेरिका को होता है। 2024 में व्यापार अधिशेष बढ़कर लगभग 38 बिलियन हो गया है। अमेरिका में भारत के निर्यात में विद्युत/औद्योगिक मशीनरी, रत्न और आभूषण शामिल हैं। नोमुरा के विश्लेषकों ने कहा कि दवाएं, ईंधन, लोहा एवं इस्पात, लोहा एवं इस्पात, लोहा एवं इस्पात, कपड़ा, कपड़ा और रसायन क्षेत्र में आयरन, स्टील और एल्युमीनियम की हिस्सेदारी कुल 5.5 प्रतिशत है। यदि वे अपने शीर्ष स्थान को बनाए रखते हैं, तो भारत और ब्राजील सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं होंगे, जिनकी जीडीपी वृद्धि पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक होगी। लेकिन कर्ज का बोझ भी तेजी से बढ़ा है। दूसरी ओर, कनाडा, जर्मनी और इटली ने कर्ज कम करने में कामयाबी हासिल की है। साथ ही, जापान की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण रही है। यह विश्लेषण 2020 से 2025 तक के आर्थिक आंकड़ों पर आधारित है। विश्व मुद्रा कोष का अनुमान है कि 2025 में अमेरिकी जीडीपी 30.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। यह पिछले कुछ वर्षों में 42 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका ने ऋण-से-जीडीपी अनुपात को 132 प्रतिशत से घटाकर 124 प्रतिशत कर दिया है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। चीन की जीडीपी 2025 तक 19.5 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है। यह 2020 में 14.9 ट्रिलियन डॉलर था। पिछले पांच वर्षों में इसमें 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; लेकिन चीन का कर्ज-टू-जीडीपी अनुपात 70 प्रतिशत से बढ़कर 94 प्रतिशत हो गया है, जो दर्शाता है कि चीन की विकास दर ऋण पर निर्भर है, जो लंबे समय में खतरनाक हो सकती है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत की GDP 2020 में 2.7 ट्रिलियन डॉलर से 2025 में 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि भारत ने पांच वर्षों में 60 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है और ऋण-से-जीडीपी अनुपात 88 प्रतिशत से गिरकर 83 प्रतिशत हो गया है। यह भारत की आर्थिक स्थिरता को दर्शाता है। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी की जीडीपी, 2020 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2020 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। अंदाज़ा लगाओ क्या। इसके अलावा, ऋण-जीडीपी अनुपात 68 प्रतिशत से गिरकर 62 प्रतिशत हो गया है। ब्राजील की अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ रही है। ब्राजील की जीडीपी 2020 में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में 2.3 ट्रिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। यह वृद्धि पांच वर्षों में 56 प्रतिशत होगी। ब्राजील ने अपने कर्ज-से-जीडीपी अनुपात को 96 प्रतिशत से घटाकर 92 प्रतिशत कर दिया है। इससे उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। सोना हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा है। 11 फरवरी का सोने का वायदा भाव 86,000 रुपये के आसपास था. अब 10 ग्राम सोने का भाव 90,000 रुपये प्रति तोला की ओर बढ़ रहा है। कई रिपोर्टों में सोने की कीमतों में 90,000 रुपये प्रति तोला तक की वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है। भारत में सोने का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व है। बाजार की स्थिति लगातार बदल रही है और निवेशक और व्यापारी इन परिवर्तनों की निगरानी करते हैं। ट्रम्प के संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया है।

सूडोकु नवताल- 7362

***** कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7361 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

बुमराह के नहीं होने से मुझपर है अधिक जिम्मेदारी : शमी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। शमी ने माना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस टूर्नामेंट में उनपर अधिक जिम्मेदारी है। इसी कारण उनका ध्यान अपनी लय कायम रखने ओर फिटनेस बनाये रखना रहा है। चोट से उबरकर वापसी कर रहे शमी ने बुमराह की गैर मौजूदगी में नये तेज गेंदबाजी हर्षित राणा और ऑलरांउडडर हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाली। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में 8 विकेट लिए हैं। उन्होंने फाइनल में पहुंचने पर कहा, 'मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि

बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है ऐसे में अपना सौ फीसदी से से ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा ऑलराउंडर है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट के लिए मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना सौ फीसदी से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं। गौरतलब है कि शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है। शमी ने कहा, 'मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिए तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है।

लक्ष्य का पीछा करने में विराट का जवाब नहीं : क्लार्क

दुबई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। क्लार्कने कहा कि लक्ष्य का पीछा करने में विराट सबसे बेहतर बल्लेबाज हैं। क्लार्क ने कहा कि जिस प्रकार उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी टीम सेमीफाइनल में जीत दिलायी। उससे ये बात फिर साबित होती है। क्लार्क ने विराट को अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया। कोहली आईसीसी नॉकआउट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए क्रीज पर उतरे पर उन्होंने अपने बेहतरीन स्ट्रोक प्ले और स्ट्राइक रोटेशन के जरिये आसानी से टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।क्लार्क ने कहा, एक बार फिर, उन्होंने हालातों का शानदार तरीके से आंकलन किया। उन्हें पता था कि उनकी टीम को क्या चाहिए और किस प्रकार मैच अपने नियंत्रण में लेना। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने शानदार शतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बल्लेबाज के पास हर शॉट है और वह किसी भी गेंद को सीमा रेखा से बाहर कर सकते हैं। मेरी राय में, वह अब तक के सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर हैं, और वह सबसे बड़े मंच पर, सबसे ज्यादा दबाव में भी इसे साबित करते रहते हैं। उन्हें पता है कि क्या करना है, और जब सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं।पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने श्रेयस अय्यर की भी तारीफ की।उन्होंने कहा, तब भारतीय टीम को एक साझेदारी की आवश्यकता थी

क्योंकि दुबई की स्पिन-अनुकूल पिचों पर और अधिक विकेट गिरने से टीम ढ़ह सकती थी। ऐसे में अय्यर एक छोर पर कोहली के साथ टिके रहे। उन्होंने कहा, श्रेयस ने वाकई बहुत अच्छा खेला। उनके पास आक्रामक दृष्टिकोण और शानदार इरादे हैं और वे हमेशा अपने शॉट्स खेलने की कोशिश करते हैं, जिससे उनके बल्लेबाजी साथी पर से दबाव कम हो जाता है। वे और विराट एक दूसरे के पूरक बनकर उभरे हैं। विराट के अनुभव के कारण वे जरूरत पड़ने पर श्रेयस का मार्गदर्शन कर सकते हैं और उन्हें संयमित रख सकते हैं। उनकी साझेदारी मैच जीतने वाली थी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाएगी टीम :गंभीर

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर लगता है अब तक भारतीय टीम के प्रदर्शन से पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हुए हैं। गंभीर का मानना है कि टीम रविवार को होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ने पहले सेमीफाइनल में विराट कोहली के 84 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। इससे पहले टीम ने तीनो लीग मुकाबले भी जीते थे। गंभीर ने मैच के बाद कहा, 'अंतरराष्ट्रीय खेल में आप लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। आप यह नहीं कह सकते कि पूरी तरह से सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया। अभी तक हमने ऐसा नहीं किया है। मैं कभी भी प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं होऊंगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम 9 मार्च को चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'अभी हमें एक मैच और खेलना है। उम्मीद है कि वह सर्वश्रेष्ठ खेल होगा। हम लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और क्रिकेट के मैदान पर बेरहम लेकिन मैदान से बाहर विनम्र रहना चाहते हैं। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अबतक चार स्पिनरों को उतारा है। वहीं अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजने और केएल राहुल को छठे नंबर पर उतारने जैसे कई साहसिक

फैसले भी लिए हैं। इसी को लेकर गंभीर ने कहा कि ये बदलाव इसलिए किया गया है ताकि खिलाड़ी कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर अपना सर्वश्रेष्ठ करने प्रेरित हों। गंभीर ने कहा, 'क्रिकेट का मतलब अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना ही है। आप इसी तरह से निखरते हैं। अगर सभी कम्फर्ट जोन में रहेंगे तो जड़ता आ जाएगी। हमारे ड्रेसिंग रूम में सब कम्फर्ट जोन से बाहर रहते हैं, चाहे कोचिंग स्टाफ हो या खिलाड़ी और आगे भी वही करेंगे जो भारतीय क्रिकेट के लिये जरुरी है।

औली में नेशनल स्की चैम्पियनशिप 16 से 19 तक

गोपेश्वर। विश्व विख्यात हिम क्रीड़ा केन्द्र औली मे नेशनल स्की चैम्पियनशिप का आयोजन 16से 19 मार्च तक होगा, जिसकी हर स्तर पर तैयारियां शुरू की जा चुकी है। स्की एंड माउंटनियरिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के अध्यक्ष अजय भट्ट के अनुसार 16 मार्च को राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न स्की प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ होगा, 17 व 18 मार्च को सलालम व जेंट सलालम रेस और स्नो बोर्ड प्रतियोगिताएं आयोजित होंगीं। इन प्रतियोगिताओं मे देशभर के अनेक राज्यों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। 19मार्च को नेशनल चैम्पियनशिप का समापन होगा।

शुभमन बने एमआरएफ के ब्रांड एंबेसडर

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के उप-कप्तान शुभमन गिल अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अब दिग्गज कंपनी एमआरएफ लिमिटेड ने शुभमन को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। ऐसे में वह भी एमआरएफ के स्टीकर लगे बल्ले से खेलते नजर आयेंगे। एमआरएफ ने एक बयान जारी कर कहा कि शुभमन गिल अब एमआरएफ ब्रांड से जुड़ने वाले विराट कोहली सहित अन्य प्रमुख क्रिकेटरों में शामिल हो गये हैं। उन्हें हाल ही में आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज के रूप में भी मान्यता मिली है। एमआरएफ ने कहा कि वह लंबे समय से क्रिकेट के विकास से जुड़ा रहा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। शुभमन की यह भागीदारी विराट के साथ कंपनी के पहले से जारी सहयोग के अतिरिक्त होगी। एमआरएफ लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध

निदेशक के. एम. मैमन ने कहा, ''हम शुभमन गिल को एमआरएफ परिवार में शामिल करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। उनका खेल प्रभावशाली है और वह जिस तरह क्रिकेट के सभी प्रारूपों में नेतृत्व कौशल दिखाते हैं, वह प्रेरणादायक है। उनकी इस लोकप्रियता का लाभ एमआरएफ को भी मिलेगा। वहीं शुभमन ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने पर उत्साहित होकर कहा, ''एमआरएफ क्रिकेट में गुणवत्ता, प्रदर्शन और उत्कृष्टता का प्रतीक है। मैं भी उन क्रिकेटरों को देखकर बड़ा हुआ हूं जो एमआरएफ के बल्ले से जादू बिखेरते थे। इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं इस साझेदारी के तहत ऐसी पारियां खेलना खेलने के प्रयास करुंगा जिससे भारतीय टीम शीर्ष पर बना रहे।।

व्यापार

एक घंटे में ही फिसले सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का दबाव बना दिया, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में गिरावट आ गई। हालांकि पहले आधे घंटे का कारोबार होने के बाद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने खरीदारी का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे शेयर बाजार की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.06 प्रतिशत और निफ्टी 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एशियन पेंट्स, बीपीसीएल, श्रीराम फाइनेंस, टाटा स्टील और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 2.62 प्रतिशत से लेकर 1.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर ट्रेंट लिमिटेड, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, भारती एयरटेल, इंफोसिस और एचडीएफसी लाइफ के शेयर 1.33 प्रतिशत से लेकर 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते

हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,476 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,953 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 523 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 14 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 578.07 अंक की मजबूती के साथ 74,308.30 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मंदड़ियों ने बिकवाली का दबाव बना दिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में 73,415.68 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 46.62 अंक की गिरावट के साथ 73,683.61 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 139.05 अंक उछल कर 22,476.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक पहले आधे घंटे के कारोबार में ही लाल निशान में 22,245.85 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार हुआ। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 15.75 अंक की कमजोरी के साथ 22,321.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 740.30 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 73,730.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 254.65 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की उछाल के साथ 22,337.30 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी, 6 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा क्रूड

नई दिल्ली। कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा गिरकर छह महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर कर 69.47 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 67 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल कर 66.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दरअसल, ओपेक और इसके सहयोगी देश द्वारा क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का संकेत दिए जाने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत पर लगातार दबाव बना हुआ है। आपको बता दें कि कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले कुछ देशों के विरोध के बावजूद ओपेक और इसके सहयोगी देशों के बीच क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाने की बात को लेकर आमतौर पर सहमति बन गई है। इन देशों द्वारा अप्रैल के महीने से क्रूड ऑयल के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार रूस और सऊदी अरब क्रूड ऑयल के उत्पादन में प्रतिदिन 1.38 लाख बैरल की बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके अलावा वेनेजुएला ने भी कच्चे तेल के उत्पादन में प्रतिदिन 68 हजार बैरल की बढ़ोतरी करने की बात कही है।

इसी तरह ओपेक के दूसरे सदस्य देशों द्वारा भी कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी किए जाने का अनुमान है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों द्वारा उत्पादन में बढ़ोतरी करने पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के दाम में और भी गिरावट आ सकती है। माना जा रहा है कि वेनेजुएला, सऊदी अरब और रूस समेत दूसरे सभी तेल उत्पादक देशों द्वारा कुल मिला कर अगर प्रतिदिन 2.25 लाख बैरल क्रूड ऑयल का भी अतिरिक्त उत्पादन किया जाता है, तो इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत 55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक भी जा सकती है। ऐसा होने पर अपनी जरूरत के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों को काफी राहत मिलेगी।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज उत्तराखंड दौरा,ट्रेक और बाइक रैली को दिखाएं हरी झंडी;आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक 21-23 मार्च को बंगलूरू में होगी,इस बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी और पिछले वर्ष के कार्यों की समीक्षा की जाएगी
2 सीएम योगी बोले:अबू आजमी को यूपी बुलाइए,इलाज कर देंगे;औरंगजेब जैसी कमबख्त औलाद किसी को न हो,खुद उसके पिता ने कहा था
3 दिल्ली:अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ पुलिस का सख्त एक्शन,संगम विहार में चलाया सर्च ऑपरेशन
4 महाराष्ट्र:औरंगजेब पर दिए बयान को लेकर अबू आजमी के खिलाफ हिंदू संगठन का कोल्हापुर में प्रदर्शन
5 गुजरात:सुरेंद्रनगर जिले में कार-ट्रक के बीच हुई टक्कर में 3 लोगों की मौत,4 घायल
6 लगता है मां गंगा ने मुझे गोद लिया है, उत्तराखंड के हर्षिल में बोले PM मोदी
7 अखिलेश यादव के अंदर आ गई है औरंगजेब की आत्मा: केशव प्रसाद मौर्य;औरंगजेब का महिमा मंडन करने वालों के लिए देश में कोई जगह नहीं,BJP विधायक हरिभूषण ठाकुर
8 मुरादाबाद:धर्म विशेष के 4 युवकों ने दलित नाबालिग से किया गैंगरेप
9 तेलंगाना:सुरंग ढहने की घटना के बाद रेस्क्यू में मदद के लिए केरल पुलिस ने भेजे दो खोजी कुत्ते
10 उत्तराखंड दौरे पर PM मोदी,देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर CM धामी ने किया स्वागत
11 बिहार:औरंगजेब अच्छा राजा था,उसने मंदिर नहीं तोड़े,JDU एमएलसी खालिद अनवर
12 आंध्र प्रदेश के एलुरु के पास बस हादसा,3 की मौत,20 घायल
13 UP:बब्बर खालसा का आतंकी कौशांबी से गिरफ्तार,उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस का जॉइंट ऑपरेशन
14 J-K:अनंतनाग के गजिनाग कादीपोरा में रिहायशी क्षेत्र में लगी आग,दमकल की कई गाड़ियां पहुंचीं
15 ट्रंप ने हमास से बंधकों को तुरंत रिहा करने को कहा,वरना अंजाम भुगतने की दी चेतावनी
16 यूक्रेन के क्रिवी शहर पर रूस ने दागे मिसाइल,दो लोगों की मौत और सात घायल
17 चुनावी हार के बाद 4 महीने बाद कांग्रेस ने हरियाणा के नेताओं की बुलाई बैठक
18 लोकसभा की सेलेक्ट कमिटी आज और कल आयकर विधेयक 2025 की समीक्षा करेगी
19 दिल्ली पुलिस ने ज्योति नगर इलाके में फायरिंग की घटना में चार लोगों को किया गिरफ्तार
20 अमेरिका युद्ध चाहता है तो हम भी आखिर तक लड़ने के लिए तैयार,चीन ने ट्रंप को दी बड़ी धमकी
21 जो दो-दो बार फेल हुआ,PM कैसे बन गया;अब राजीव गांधी पर मणिशंकर के बयान से बवाल
22 Pakistan: पाकिस्तानी सेना का दावा,खैबर पख्तूनख्वा में हुए आत्मघाती हमले में अफगानिस्तानी नागरिक शामिल; पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आत्मघाती हमला, बाजार में किया गया विस्फोट;पांच की मौत
23 केजरीवाल का रेड कार्पेट वेलकम, अन्नदाता के लिए कर्फ्यू...AAP को कांग्रेस के बाद अकाली दल ने घेरा
24 Report: करोड़पतियों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में चौथे स्थान पर;वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगा कद
25 Haryana:गरीबों को मिलने वाली सुविधाएं पाने के लिए छह हजार जोड़ों ने लिया फर्जी तलाक,पीपीपी में छेड़छाड़
26 आसाराम नारायण साईं का कट्टर अनुयायी UP से अरेस्ट,छह राज्यों में वॉन्टेड तामराज, गिरफ्तारी से बचने धर्म परिवर्तन कर स्टीफन बन गया था
27 हरियाणा के हिसार में पेड़ से टकराई कार,4 दोस्तों की मौत
28 औरंगजेब विवाद:सपा विधायक अबू आजमी ने बयान वापस लिया,कहा था: औरंगजेब ने मंदिर बनवाए,वह क्रूर शासक नहीं था
29 एअर इंडिया ने पायलट ट्रेनर को नौकरी से निकाला,उसके अंडर ट्रेनिंग लेने वाले 10 पायलटों को ड्यूटी से हटाया;गलत ट्रेनिंग देने का आरोप
30 खड़गे-शिवकुमार की मुलाकात,कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलों का बाजार गर्म
31 संकेत मिले हैं कि रूस शांति के लिए तैयार है,यूक्रेन बातचीत का इच्छुक है:डोनाल्ड ट्रंप
32 राजस्थान में नवंबर तक एक साथ हो सकते हैं निकाय-चुनाव, विधानसभा में यूडीएच मंत्री खर्रा ने दी जानकारी
33 दिल्ली में छिपी महिला नक्सली गिरफ्तार,घरेलू सहायिका के रूप में रहकर रच रही थी साजिश
34 अमेरिका में मरीज ने भारतीय नर्स पर किया हमला,चेहरे की हड्डियां तोड़ीं व आंखों में घूंसे मारे, कहा:Indians are bad
35 अखिलेश के भरोसेमंद सपा नेता वासुदेव यादव गिरफ्तार,आय से 109% अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में CBI का एक्शन
36 SA vs NZ 2nd Semi-Final: न्यूजीलैंड के सामने अकेले लड़ते रहे मिलर....ठोका शतक,फिर भी 50 रनों से सेमीफाइनल हार गया
साउथ अफ्रीका
37 चुराया हुआ कश्मीर वापस करे पाकिस्तान;जयशंकर बोले:PoK मिलते ही सारी समस्या खत्म
38 विदेश मंत्री जयशंकर बोले: अमेरिकी विदेश नीति से हैरानी नहीं,US डॉलर आर्थिक स्थिरता के लिए अहम
39 ब्रिटेन दौरे पर विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने एक कार्यक्रम में अमेरिकी विदेश नीति,चीन-भारत संबंध और वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर बेबाकी से जवाब दिया;उन्होंने कहा कि ट्रंप के कार्यकाल में पहले 41 दिन उनके दृष्टिकोण से बिल्कुल भी आश्चर्यजनक नहीं रहे हैं
40 साउथ कोरियाई एयर फोर्स की भारी चूक,सैन्य अभ्यास के दौरान घरों पर गिराए बम,15 घायल

शादी में जरूर आना का नया ट्रेलर जारी

इस दिन दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

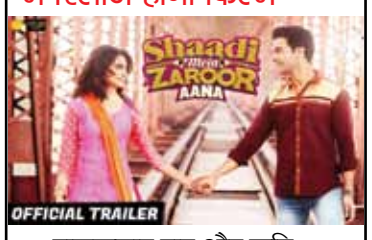

राजकुमार राव और कृति खरबंदा की फिल्म शादी में जरूर आना करीब 8 साल बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को 7 मार्च, 2025 को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। अब इससे पहले निर्माताओं ने शादी में जरूर आना का नया ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें आरती (कृति) और सत्तू (राजकुमार) की प्रेम कहानी को दिखाया गया है। फिल्म का नया ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। शादी में जरूर आना पहली बार 10 नवंबर, 2017 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और यह दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों में से एक है। लगभग 13 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 17 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। रत्ना सिन्हा ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। फिल्म की कहानी कमल पांडे ने लिखी है, वहीं विनोद बच्चन और मंजू बच्चन इसके निर्माता हैं। यह फिल्म जी5 पर उपलब्ध है। ऐसे में 7 मार्च को कोई बड़ी रिलीज नहीं है, जिसका फायदा शादी में जरूर आना की री-रिलीज को मिल सकता है। फिल्म का निर्देशन रत्ना सिन्हा ने किया और इसका निर्माण विनोद बच्चन के सौंदर्या प्रोडक्शंस के तहत किया गया। शादी में जरूर आना आरती (कृति द्वारा अभिनीत) की कहानी है, जो सत्तू (राजकुमार द्वारा अभिनीत) के साथ अरेंज मैरिज करने के लिए तैयार होती है, लेकिन शादी के दिन भाग जाती है।

सिकंदर का पहला गाना जोहरा जबीन जारी

सलमान खान और रश्मिका मंदाना की दिखी खूबसूरत केमिस्ट्री

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना ने सिकंदर के पहले गाने जोहरा जबीं में अपनी सिजलिंग केमिस्ट्री से स्क्रीन पर आग लगा दी है. रिलीज हुए सिकंदर के पहले गाने ने ही फैंस के बीच जबरदस्त चर्चा बटोरी है. इसकी हाई-एनर्जी बीट्स और सलमान रश्मिका के किलर मूव्स जबरदस्त लग रहे हैं. जोहरा

जबीं सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर सिकंदर का पहला गाना है. गाने में रश्मिका और सलमान की केमिस्ट्री ने स्टेज पर आग लगा दी. इस गाने को नकाश अजीज और देव नेगी ने अपनी आवाज दी है. वहीं गाने का रैप वाला पार्ट मेलो डी लिखा और गाया है. इस गाने में प्रीतम ने अपने म्यूजिक से जादू बिखेर दिया है. सिकंदर का पहला गाना जोहरा जबीं फैंस को काफी पसंद आ रहा है और जल्द ही यह ट्रेंडिंग करेगा. गाने पर एक यूजर ने लिखा, जबरदस्त मजा आ गया. आखिरकार गाना रिलीज हो गया. एक ने लिखा, सलमान और रश्मिका की केमिस्ट्री ने स्टेज पर आग लगा दी है. एक ने लिखा, मां कसम क्या गाना है. सिकंदर का टीजर लोगों को खूब पसंद आया है, टीजर में भाईजान फुल एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं. वहीं उनकी और रश्मिका की जोड़ी एकदम रिफ्रेशिंग लग रही है. टीजर की शुरुआत सलमान के डायलॉग से होती है, दादी ने मेरा नाम सिकंदर रखा था, दादा ने सिकंदर और प्रजा ने राजा साहब. जिसके बाद एक जोर का धमाका होता है और बैकग्राउंड में से आवाज आती है, अपने आप को बड़ा सिकंदर समझता है, इंसाफ दिलाएगा तू. इस पर सलमान जवाब देते हैं, इंसाफ नहीं साफ करने आया हूं. आगे वे कहते हैं, कायदे में रहो, फायदे में रहोगे वरना शमशान या कब्रिस्तान में रहोगे. अब फैंस इसके ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं. सलमान खान की सिकंदर ईद 2025 पर रिलीज होने के लिए तैयार है. फिल्म में सलमान के साथ रश्मिका मंदाना और सत्यराज भी अहम रोल प्ले कर रहे हैं. इस फिल्म को एआर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है.

निकिता दत्ता की लेटेस्ट फोटोज ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, एक्ट्रेस की हॉट अदाएं देख दीवाने हुए फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बी-टाउन की ग्लैमरस हसीना निकिता दत्ता आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पर्पल कलर की हॉल्टर नेक लुक में आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ग्लैम मेकअप, बालों का हाई बन बनाकर और रेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस निकिता दत्ता जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। निकिता दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

कृति सनोन ने बताया उनका पसंदीदा सीज़न आ गया

हममें से ज़्यादातर लोगों की तरह, कृति सनोन का भी पसंदीदा मौसम आम का मौसम है। जैसे-जैसे गर्मियाँ आ रही हैं, लुका छुपी की अभिनेत्री ने कुछ स्वादिष्ट आमों का लुत्फ़ उठाते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इतना ही नहीं, कृति सनोन ने भी आम के रंग की पोशाक पहन रखी थी, जिससे वह अपनी स्वाद कलिकाओं को संतुष्ट कर रही थीं। कृति सनोन ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मेरा पसंदीदा सीज़न आ गया है..जब आप इसके बारे में सोचते हैं तो आपके दिमाग में क्या आता है? मुझे एक ऐसा जवाब दीजिए जो आम से अलग हो! पिछले हफ्ते, कृति सनोन ने आनंद एल राय की अगली फ़िल्म तेरे इश्क में के सेट पर अपनी मिठाई की तलब को शांत किया। शूटिंग के दौरान उन्हें कुछ स्वादिष्ट जलेबी खिलाई गईं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर एक छोटा वीडियो डाला, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, आपको पता चलता है कि आप ॠआनंदलराय सर के सेट पर हैं जब.... सनोन पहली बार धनुष के साथ तेरे इश्क में में नज़र आएंगी। बहुप्रतीक्षित ड्रामा की कहानी हिमांशु शर्मा ने नीरज यादव के साथ मिलकर लिखी है। आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने मिलकर इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस किया है। टी-सीरीज और कलर येलो के सहयोग से गुलशन कुमार द्वारा प्रस्तुत तेरे इश्क में 2013 की फिल्म रांझणा का आध्यात्मिक उत्तराधिकारी है, जो एकतरफा प्यार और भावनात्मक संघर्ष के विषयों पर गहराई से प्रकाश डालता है। तेरे इश्क में के टीज़र में घोषणा की गई, पिछली बार तो कुन्दन था, मान गया पर इस बार शंकर को कैसे रोकोगे? (पिछली बार यह कुन्दन था, उसने इसे स्वीकार कर लिया, लेकिन इस बार आप शंकर को कैसे रोकेंगे?)। वीडियो में धनुष को दीवार पर आग जलाते हुए दिखाया गया है, जिस पर लिखा है, रांझणा की दुनिया से। फिल्म में मुक्ति के रूप में कृति सनोन का पहला लुक सामने आया है, जिसमें वह एक अराजक, युद्ध जैसे दृश्य से गुज़रती हुई नज़र आ रही हैं, जिसमें वह तनावग्रस्त और टूटी हुई नज़र आ रही हैं। वह खुद पर पेट्रोल डालती हैं और लाइटर पकड़कर खुद को आग लगाने की तैयारी करती हैं। तेरे इश्क में 28 नवंबर को हिंदी और तमिल दोनों में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

ईशान खट्टर और तारा सुतारिया

प्यार आता है के लिए हुए रोमांटिक, 7 मार्च को गाना होगा रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता ईशान खट्टर और खूबसूरत अदाकारा तारा सुतारिया अपने नए गाने प्यार आता है में रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगे. इस गाने का टीजर 6 मार्च को रिलीज किया जाएगा, जबकि फुल सॉन्ग 7 मार्च को सुबह 11 बजे प्लेडीएम आधिकारिक के यूट्यूब चैनल पर लॉन्च होगा. ईशान खट्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने का पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह तारा सुतारिया के साथ एक बेहद रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं. पोस्टर में दोनों की शानदार केमिस्ट्री दिखाई दे रही है, जो इस गाने के रोमांटिक थीम को पूरी तरह दर्शाता है. ईशान ने कैप्शन में लिखा, हर लव स्टोरी की एक शुरुआत होती है... और हमारी कल से शुरू हो रही है. इस गाने को मशहूर सिंगर्स श्रेया घोषाल और रीटो रीबा ने गाया है, जबकि इसके बोल राजत नागपाल ने लिखे हैं. गाने का म्यूजिक राणा सोतल ने दिया है और इसे स्नेहा शेट्टी कोहली ने डायरेक्ट किया है. फैंस इस गाने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. एक यूजर ने कमेंट किया, वाह! इंतजार नहीं कर सकते श्रेया घोषाल की मैजिकल आवाज सुनने का. वहीं, कई यूजर्स इस रोमांटिक ट्रैक के रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. क्या आप भी ईशान और तारा की इस खूबसूरत जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं? प्यार आता है 7 मार्च को रिलीज होगा, जिसे मिस न करें.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।